



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)

PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 2902]

नई दिल्ली, शुक्रवार, जुलाई 27, 2018/श्रावण 5, 1940

No. 2902]

NEW DELHI, FRIDAY, JULY 27, 2018/SHRAVANA 5, 1940

पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय

अधिसूचना

नई दिल्ली, 27 जुलाई, 2018

का.आ. 3688(अ).— अधिसूचना का निम्नलिखित प्रारूप, जिसे केन्द्रीय सरकार, पर्यावरण (संरक्षण) अधिनियम, 1986 (1986 का 29) की धारा 3 की उपधारा (2) के खंड (v) और खंड (xiv) तथा उपधारा (3) के साथ पठित उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, जारी करने का प्रस्ताव करती है, पर्यावरण (संरक्षण) अधिनियम, 1986 के नियम 5 के उपनियम (3) की अपेक्षानुसार, जनसाधारण की जानकारी के लिए प्रकाशित किया जाता है; जिनके उससे प्रभावित होने की संभावना है, और यह सूचित किया जाता है कि उक्त प्रारूप अधिसूचना पर, उस तारीख से, जिसको इस अधिसूचना को अंतर्विष्ट करने वाले भारत के राजपत्र की प्रतियां जनसाधारण को उपलब्ध करा दी जाती हैं, साठ दिन की अवधि की समाप्ति पर या उसके पश्चात् विचार किया जाएगा ;

ऐसा कोई व्यक्ति, जो प्रारूप अधिसूचना में अंतर्विष्ट प्रस्तावों के संबंध में कोई आपत्ति या सुझाव देने का इच्छुक है, वह विनिर्दिष्ट अवधि के भीतर, केन्द्रीय सरकार द्वारा विचार किए जाने के लिए अपनी आपत्ति या सुझाव सचिव, पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, इंदिरा पर्यावरण भवन, जोर बाग रोड, अलीगंज, नई दिल्ली-110003 को या ई-मेल esz-mef@nic.in पर लिखित रूप में भेज सकता है।

प्रारूप अधिसूचना

गल्फ ऑफ मन्नार मरिन राष्ट्रीय उद्यान तमिलनाडु के रामानाथापुरम और तूतीकोरिन जिले में अक्षांश 8०49'00"उ और 9०15'00"उ और देशांतर 78०11'30"पू और 79०10'5"पू के बीच स्थित है और 560.00 वर्ग किलोमीटर के क्षेत्रफल में फैला हुआ है। तमिलनाडु सरकार ने जी.ओ. एम.एस. सं. 962, वन और मत्स्यपालन विभाग दिनांक: 10.09.1986 द्वारा वन्यजीव संरक्षण अधिनियम, 1972 की धारा 35(1) के अन्तर्गत वहां वन्यजीवों और पर्यावरण के संरक्षण के प्रयोजन से तमिलनाडु में गल्फ ऑफ मन्नार में मरिन राष्ट्रीय उद्यान घोषित करने के उद्देश्य से अधिसूचित किया जिसमें खाड़ी की ओर समुद्र की 3.5 गहराई और समुद्री की ओर 5 गहराई भी शामिल है।

और, 21 द्वीप जो गल्फ ऑफ मन्नार मरिन राष्ट्रीय उद्यान में मूंगा चट्टानों और ब्रियर मैंग्रोव वनस्पति से घिरे हुए हैं, दक्षिण पूर्व में रामनद और तूतीकोरिन जिले के तटों से नीचे स्थित हैं और निम्नलिखित सारणी के स्तम्भ 1 में निर्दिष्ट नाम से जाना जाता है और "गल्फ ऑफ मन्नार मरिन राष्ट्रीय उद्यान" में अक्षांश और देशांतर की सीमाएं हैं।

और, भारत में गल्फ ऑफ मन्नार चार प्रमुख कौल-भित्ति पारिस्थितिकी प्रणालियों में से एक है। भारतीय वन्यजीव (संरक्षण) अधिनियम, 1972 के उपबंधों के अन्तर्गत तमिलनाडु सरकार ने गल्फ ऑफ मन्नार मरिन राष्ट्रीय उद्यान की स्थापना की है, जिसमें वर्ष 1986 में रामानाथापुरम और तूतीकोरिन के तटीय जिलों सहित 21 अपतटीय द्वीपों (2 जलमग्न सहित) और बंगाल की खाड़ी में आसपास के कोरल चट्टान प्रणाली शामिल हैं। गल्फ ऑफ मन्नार मरिन राष्ट्रीय उद्यान की स्थापना का प्राथमिक उद्देश्य संरक्षण और प्रबंधन के माध्यम से मन्नार क्षेत्र की खाड़ी की समृद्ध समुद्री जैव विविधता को संरक्षित करना है।

और, गल्फ ऑफ मन्नार में मरिन वनस्पतियों और जीवजन्तुओं की समृद्ध विविधता है इनमें कोरल चट्टान, चट्टानी समुद्र तट, बलुआ समुद्र तट, मिट्टी की सपाट भूमि, नदी मुहाने, मैंग्रोव वन, समुद्री शैवाल और समुद्री घास के क्षेत्र जैसी पारिस्थितिकी प्रणाली शामिल हैं। इस पारिस्थितिकी प्रणाली में विविध जीवजन्तुओं और वनस्पतियों की विविधता का आश्रय है जिसमें दुर्लभ चैक, झींगा, समुद्री झींगा, पर्ल ऑयस्टर, व्हेल, डुगोंग, कछुए, सीहासेंस, समुद्री सांप, समुद्री ककड़ी आदि शामिल हैं। गल्फ ऑफ मन्नार में पारिस्थितिकी प्रणाली की विविध प्रकृति अनेक महत्वपूर्ण प्रजातियों की विस्तृत विविधता को आश्रय प्रदान करती है जिसमें कोरल की 117 प्रजातियां, समुद्री घास की 13 प्रजातियां, क्रस्टेशियन की 641 प्रजातियां, मोलस्क की 731 प्रजातियां, फिन मछलियों की 441 प्रजातियां और ऋतु प्रवास मरिन स्तनधारियों जैसे व्हेल, डॉल्फिन, सूंस और कछुओं के अलावा सीवीड की 147 प्रजातियां शामिल हैं।

और, मैंग्रोव पर्यावासों में वनस्पतियों की 9 विभिन्न प्रजातियां हैं जो समुद्री पक्षी और समुद्री सांप सहित विभिन्न समुद्री जीवजन्तुओं को आश्रय प्रदान करता है। गल्फ ऑफ मन्नार में सेक्रेड चंक, *टर्विनेलाप्यूरम चंक* और *पर्ल ऑयस्टर बेड* भी पाए जाते हैं। यहां लगभग दस पर्ल बैंक हैं। *पीनक्टाडा फूकटा* पर्ल ऑयस्टर की मुख्य प्रजाति है। गल्फ ऑफ मन्नार को वनस्पति और जीवजन्तु की 4200 से अधिक प्रजातियों के साथ "जीवविज्ञानी स्वर्ग" के रूप में माना जाता था।

और, यह क्षेत्र भारतीय तट से अलग महत्वपूर्ण आखिरी आश्रय-स्थान है जहां अधिकांश लुप्तप्राय स्तनधारी, डुगोंग (*डुगोंग डुगन*) पाए जाते हैं। क्षेत्र में दुर्लभ और अद्वितीय बलानोग्लोसस भी है जो अकशेरुकी और कशेरुकी के बीच एक लिंक है। यह क्षेत्र कोरल द्वीपों से संबंधित अद्वितीय कोरल संरचनाओं, समुद्री शैल, मोलस्क और उष्णकटिबंधीय मछली से भी बहुत समृद्ध है। इस क्षेत्र में रसिक डॉल्फिन भी दिखाई देते हैं।

और, राष्ट्रीय उद्यान मूल रूप से मरिन वनस्पतियों और जीवजन्तुओं के संरक्षण के लिए है। वनस्पति के उदाहरण रोज़री पी (*एब्रस प्रेसीटोरियस*), वाटल्स (*अकाकिया नॉर्रिंडा*), अम्ब्रेला थोर्न (*अकाकिया प्लानिफ्रोन*), नेटटल (*अकालीफा इंडिका*), प्रिकली चाफ फ्लॉवर (*आचार्यथेश एस्पेरा*) आदि हैं; जीवजन्तु के उदाहरण सी कॉउ (*डुगोंग डुगोन*), रिसोस डॉल्फिन (*ग्रैम्पस ग्रिसस*), बोटल नोस्ड डॉल्फिन (*तुर्सियप्स ट्रंकेट्स*), चानेस व्हाइट डॉल्फिन (*सोसा चिनेंसिस*) आदि हैं। राष्ट्रीय उद्यान में पक्षियों की विविधता है जैसे ग्रेट एग्रेट (*आर्दिया अल्बा*), ग्रे हेरॉन (*ए. सिनेरेया*), पॉण्ड हेरॉन (*आर्दिया ग्रेई*), वेस्टर्न रीफ हेरॉन (*एग्रेटा ग्युलरिस*), आर्देओला स्ट्रियाटस (*आर्देओला स्ट्रैटस*), ग्रेटर फ्लेमिंगो (*फोनिकाँटर रोसेंस*), उत्तरी पिटल (*अनास एक्यूटा*) आदि।

और, राष्ट्रीय उद्यान में स्थानिक, दुर्लभ, लुप्तप्राय और संकटापन्न प्रजातियां हैं। गल्फ ऑफ मन्नार में स्थानिक प्रजातियां अर्थात् बालनोग्लोसस, एनहलस एक्रोराइड और पेम्पीस एसिडुला शामिल हैं। अभयारण्य में लुप्तप्राय प्रजातियां सी कुकुमबर्स (*होलोथुरियन*), ग्रीन टर्टल (*चेलोनीया मादास*), हॉक्सबिल टर्टल (*एरेरमोचेलीज इन्डिकेट*), ऑलिव रिडली टर्टल (*लेपिडोचेलीज ओलिविस*), लॉंगरहेड टर्टल (*केरेटा केरेटा*), लेदर बैक टर्टल (*डर्मोचेलीस कोरियासी*), सी हार्सेस (*सिगनाथिडे*) आदि विद्यमान हैं। दुर्लभ प्रजातियों के उदाहरण शॉर्ट फिनेड पायलट व्हेल (*ग्लोबिसफाला मैक्रोरिंचा*), रिसोस डॉल्फिन (*ग्रैम्पस ग्रिसस*), बोटल नोस्ड डॉल्फिन (*तुर्सियप्स ट्रंकेट्स*), चाइनिज व्हाइट डॉल्फिन (*सोसा चिनेन्सिस*), फाल्स किलर व्हेल (*स्यूडोआर्का क्रैसिडेन्स*), ब्राइड्स व्हेल (*बालेनोपेटेरा एडेनी*) आदि हैं। अभयारण्य में संकटापन्न प्रजातियों में सी कॉउ (*डुगोंग डुगन*) प्रजातियां अभिलिखित हैं।

और, मरिन राष्ट्रीय उद्यान और पारिस्थितिकी संवेदी जोन के अंतर्गत कोई पर्यावास नहीं है। गल्फ ऑफ मन्नार मरिन राष्ट्रीय उद्यान तट के साथ लगभग 47 मत्स्य पालन ग्राम हैं जिनमें रामानाथापुरम जिला में 38 और तूतीकोरिन जिला में 9 ग्राम हैं। इन ग्रामों के मछुआरे पूरी तरह से अपनी आजीविका के लिए मत्स्य पालन पर निर्भर हैं। कुल मिलाकर इन ग्रामों में

150,000 से अधिक मछुआरे रहते हैं, जिनमें 40% से अधिक सक्रिय मछुआरे हैं। सदियों से गल्फ ऑफ मन्नार के तट पर रहने वाले कई हजार परिवारों के लिए तटवर्ती जल में मत्स्य संसाधनों का उपयोग एकमात्र व्यवसाय रहा है। वह तटीय और समुद्री पर्यावरण के साथ इस तरह की घनिष्ठता में रहे हैं कि उनके जीवन-शैली, संस्कृति और सामाजिक जीवन सभी समुद्र के चारों ओर केंद्रित है।

और, मछुआरिन ताजी मछली विपणन, सूखी मछली और शुद्ध मिश्रण जैसे संबद्ध क्रियकलापों में लगी हुई हैं। तट के साथ मत्स्यपालन से संबंधित व्यवसायों के अलावा, नमक निष्कर्षण में रोजगार के अवसर हैं, खासतौर पर तूतीकोरिन के पास खाड़ी के पश्चिमी भाग में, और पाल्मराह (टाडी) टैपिंग और कृषि श्रम में भी है। रामानाथापुरम जिला में आमतौर पर चटाई बनाने के साथ कुशल कार्य भी किया जाता है। तट से टॉडी टैपिंग और कृषि से अंतर्देशीय स्थानांतरित करना इस क्षेत्र में पर्यटन के संबंध में रामेश्वरम के पास प्रचलित छोटे व्यवसाय से संबंधित अवसरों के साथ प्रमुख व्यवसाय है।

अतः, अब, केन्द्रीय सरकार, पर्यावरण (संरक्षण) अधिनियम, 1986 के नियम 5 के उपनियम (3) के साथ पठित पर्यावरण (संरक्षण) अधिनियम, 1986 (1986 का 29) की उपधारा (1) तथा धारा 3 की उपधारा (2) एवं उपधारा (3) के खंड (v) और खंड (xiv) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, तमिलनाडु राज्य में गल्फ ऑफ मन्नार मरिन राष्ट्रीय उद्यान की सीमा के चारों ओर 0.73 किलोमीटर से 5.57 किलोमीटर तक विस्तारित क्षेत्र को गल्फ ऑफ मन्नार मरिन राष्ट्रीय उद्यान पारिस्थितिकी संवेदी जोन (जिसे इसमें इसके पश्चात् पारिस्थितिकी संवेदी जोन कहा गया है) के रूप में अधिसूचित करती है, जिसका विवरण निम्नानुसार है, अर्थात् :-

1. पारिस्थितिकी संवेदी जोन का विस्तार और सीमा--(1) पारिस्थितिकी संवेदी जोन का विस्तार गल्फ ऑफ मन्नार मरिन राष्ट्रीय उद्यान के चारों ओर 0.73 किलोमीटर से 5.57 किलोमीटर तक फैला हुआ है। पारिस्थितिकी संवेदी जोन का कुल क्षेत्रफल 720.89 वर्ग किलोमीटर है।

(2) पारिस्थितिकी संवेदी जोन की सीमा का वर्णन **उपाबंध-I** के रूप में संलग्न है।

(3) पारिस्थितिकी संवेदी जोन की सीमा के संरक्षित क्षेत्र का मानचित्र **उपाबंध II क-ड**, में है।

(4) पारिस्थितिकी संवेदी जोन और संरक्षित क्षेत्र की सीमा के भू-निर्देशांकों की सूची क्रमशः **उपाबंध III (क)** और **(ख)** में है।

(5) प्रमुख बिंदुओं के भू-निर्देशांकों के साथ पारिस्थितिकी संवेदी जोन के अंतर्गत आने वाले ग्रामों की सूची **उपाबंध-IV** के रूप में संलग्न है।

2. पारिस्थितिकी संवेदी जोन के लिए आंचलिक महायोजना--(1) राज्य सरकार, पारिस्थितिकी संवेदी जोन के प्रयोजन के लिए, राजपत्र में अंतिम अधिसूचना के प्रकाशन की तारीख से दो वर्ष की अवधि के भीतर, स्थानीय व्यक्तियों के परामर्श से और इस अधिसूचना में दिए गए अनुबंधों का पालन करते हुए, राज्य सरकार के सक्षम प्राधिकारी के अनुमोदनार्थ एक आंचलिक महायोजना बनायेगी।

(2) राज्य सरकार द्वारा पारिस्थितिकी संवेदी जोन के लिए आंचलिक महायोजना इस अधिसूचना में विनिर्दिष्ट रीति से तथा प्रासंगिक केंद्रीय और राज्य विधियों के अनुरूप तथा केंद्रीय सरकार द्वारा जारी दिशा निर्देशों, यदि कोई हों, के अनुसार बनायी जाएगी।

(3) आंचलिक महायोजना में पारिस्थितिकी और पर्यावरण संबंधी सरोकारों को शामिल करने के लिए इसे राज्य सरकार के निम्नलिखित विभागों के परामर्श से बनाया जाएगा, अर्थात्:--

- (i) पर्यावरण;
- (ii) वन और वन्यजीव;
- (iii) कृषि;
- (iv) राजस्व;
- (v) शहरी विकास;
- (vi) पर्यटन;
- (vii) ग्रामीण विकास;

- (viii) सिंचाई और बाढ़ नियंत्रण;
- (ix) नगरपालिका;
- (x) पंचायती राज;
- (xi) लोक निर्माण विभाग;
- (xii) राजमार्ग;
- (xiii) तमिलनाडु राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड।

(4) जब तक इस अधिसूचना में विनिर्दिष्ट न हो, आंचलिक महायोजना में वर्तमान में अनुमोदित भू-उपयोग, अवसंरचना और क्रियाकलापों पर कोई प्रतिबंध नहीं लगाया जाएगा तथा आंचलिक महायोजना में सभी अवसंरचनाओं और क्रियाकलापों में सुधार करके उन्हें अधिक दक्ष और पारिस्थितिकी-अनुकूल बनाने की व्यवस्था की जाएगी।

(5) आंचलिक महायोजना में वनरहित और अवक्रमित क्षेत्रों के सुधार, विद्यमान जल निकायों के संरक्षण, आवाह क्षेत्रों के प्रबंधन, जल-संभरों के प्रबंधन, भू-जल के प्रबंधन, मृदा और नमी के संरक्षण, स्थानीय जनता की आवश्यकताओं तथा पारिस्थितिकी एवं पर्यावरण के ऐसे अन्य पहलुओं की व्यवस्था की जाएगी जिन पर ध्यान दिया जाना आवश्यक है।

(6) आंचलिक महायोजना में सभी विद्यमान पूजा स्थलों, ग्रामों एवं शहरी बस्तियों, वनों की श्रेणियों एवं किस्मों, कृषि क्षेत्रों, ऊपजाऊ भूमि, उद्यानों एवं उद्यानों की तरह के हरित क्षेत्रों, बागवानी क्षेत्रों, बगीचों, झीलों और अन्य जल निकायों की सीमा का सहायक मानचित्र के साथ निर्धारण किया जाएगा। इस महायोजना में विद्यमान और प्रस्तावित भू-उपयोग की विशेषताओं का ब्यौरा देने वाले मानचित्र भी दिए जाएंगे।

(7) आंचलिक महायोजना में पारिस्थितिकी संवेदी जोन में होने वाले विकास का विनियमन किया जाएगा और सारणी में यथासूचीबद्ध प्रतिषिद्ध एवं विनियमित क्रियाकलापों का पालन किया जाएगा। इसमें स्थानीय जनता की आजीविका की सुरक्षा के लिए पारिस्थितिकी-अनुकूल विकास का भी सुनिश्चय एवं संवर्धन किया जाएगा।

(8) आंचलिक महायोजना, क्षेत्रीय विकास योजना की सह-कालिक होगी।

(9) अनुमोदित आंचलिक महायोजना, निगरानी समिति के लिए एक संदर्भ दस्तावेज होगी ताकि वह इस अधिसूचना के उपबंधों के अनुसार निगरानी के अपने कर्तव्यों का निर्वहन कर सके।

3. राज्य सरकार द्वारा किए जाने वाले उपाय—राज्य सरकार इस अधिसूचना के उपबंधों को प्रभावी बनाने के लिए निम्नलिखित उपाय करेगी, अर्थात्:--

(1) **भू-उपयोग** – (क) पारिस्थितिकी संवेदी जोन में वनों, बागवानी क्षेत्रों, कृषि क्षेत्रों, मनोरंजन के लिए चिन्हित उद्यानों और खुले स्थानों का वृहद वाणिज्यिक या आवासीय परिसरों या औद्योगिक क्रियाकलापों के लिए प्रयोग या संपरिवर्तन अनुज्ञात नहीं किया जाएगा।

(ख) परंतु पारिस्थितिकी संवेदी जोन के भीतर भाग (क) में विनिर्दिष्ट प्रयोजन से भिन्न प्रयोजन के लिए कृषि और अन्य भूमि का संपरिवर्तन, निगरानी समिति की सिफारिश पर और सक्षम प्राधिकारी के पूर्व अनुमोदन से क्षेत्रीय नगर योजना अधिनियम तथा यथा लागू केन्द्रीय/राज्य सरकार के अन्य नियमों एवं विनियमों के अधीन तथा इस अधिसूचना के उपबंधों के अनुसार स्थानीय निवासियों की निम्नलिखित आवासीय जरूरतों को पूरा करने के लिए अनुज्ञात किया जाएगा:

(i) विद्यमान सड़कों को चौड़ा करना, उन्हें सुदृढ़ करना और नई सड़कों का संनिर्माण करना;

(ii) बुनियादी ढांचों और नागरिक सुविधाओं का संनिर्माण और नवीकरण;

(iii) प्रदूषण उत्पन्न न करने वाले लघु उद्योग;

(iv) कुटीर उद्योग एवं ग्राम उद्योग; पारिस्थितिकी पर्यटन में सहायक सुविधा भण्डार, स्थानीय सुविधाएं तथा ग्रह वास; और

(v) बढावा दिए गए और पैरा-4 में उल्लिखित क्रियाकलाप।

(ग) परंतु यह भी कि क्षेत्रीय शहरी नियोजन अधिनियम के अधीन सक्षम प्राधिकारी के पूर्व अनुमोदन के बिना तथा राज्य सरकार के अन्य नियमों एवं विनियमों एवं संविधान के अनुच्छेद 244 के उपबंधों तथा तत्समय प्रवृत्त विधि, जिसके अंतर्गत

अनुसूचित जनजाति और अन्य परंपरागत वन निवासी (वन अधिकारों की मान्यता) अधिनियम, 2006 (2007 का 2) भी आता है, का अनुपालन किए बिना वाणिज्यिक या औद्योगिक विकास क्रियाकलापों के लिए जनजातीय भूमि का प्रयोग अनुज्ञात नहीं होगा।

(घ) परंतु यह भी कि पारिस्थितिकी संवेदी जोन के अंतर्गत आने वाली भूमि के अभिलेखों में हुई किसी त्रुटि को, निगरानी समिति के विचार प्राप्त करने के पश्चात्, राज्य सरकार द्वारा प्रत्येक मामले में एक बार सुधारा जाएगा और उक्त त्रुटि को सुधारने की सूचना केंद्रीय सरकार के पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय को दी जाएगी।

(ड.) परंतु यह भी कि उपर्युक्त त्रुटि को सुधारने में, इस उप-पैरा में यथा उपबंधित के सिवाय, किसी भी दशा में भू-उपयोग का परिवर्तन शामिल नहीं होगा।

(च) अनुप्रयुक्त या अनुत्पादक कृषि क्षेत्रों में पुनः वनीकरण तथा पर्यावासों और जैव-विविधता की बहाली के प्रयास किए जाएंगे।

(2) **प्राकृतिक जल स्रोत**—आंचलिक महायोजना में सभी प्राकृतिक जल स्रोतों/नदियों/जलमार्गों के आवाह क्षेत्रों की पहचान करके उनके संरक्षण और बहाली की योजना सम्मिलित की जाएगी और राज्य सरकार द्वारा दिशानिर्देश इस रीति से बनाए जाएंगे कि उसमें इन क्षेत्रों या इनके आसपास के क्षेत्रों के लिए हानिकारक विकास क्रियाकलापों को प्रतिषिद्ध किया गया हो।

(3) **पर्यटन/पारिस्थितिकी पर्यटन**—(क) पारिस्थितिकी संवेदी जोन में सभी नए पारिस्थितिकी पर्यटन क्रियाकलाप या विद्यमान पर्यटन क्रियाकलापों का विस्तार पारिस्थितिकी संवेदी जोन सम्बंधी पर्यटन महायोजना के अनुसार अनुज्ञात होगा।

(ख) पारिस्थितिकी पर्यटन महायोजना राज्य सरकार के पर्यावरण और वन विभाग के परामर्श से पर्यटन विभाग द्वारा बनायी जाएगी।

(ग) पर्यटन महायोजना आंचलिक महायोजना का घटक होगी।

(घ) पारिस्थितिकी पर्यटन संबंधी क्रियाकलाप निम्नानुसार विनियमित किए जाएंगे, अर्थात् :—

(i) संरक्षित क्षेत्र की सीमा से 1.0 किलोमीटर के भीतर या पारिस्थितिकी संवेदी जोन की सीमा तक, इनमें जो भी अधिक निकट हो, किसी होटल या रिजॉर्ट का नया सन्निर्माण अनुज्ञात नहीं किया जाएगा। तथापि, पारिस्थितिकी पर्यटन सुविधाओं के लिए संरक्षित क्षेत्र की सीमा से एक किलोमीटर की दूरी से परे पारिस्थितिकी संवेदी जोन की सीमा तक पूर्व परिभाषित और अभीहित क्षेत्रों में पर्यटन महायोजना के अनुसार, नए होटलों और रिजॉर्ट की स्थापना अनुज्ञात होगी।

(ii) पारिस्थितिकी संवेदी जोन के अन्दर सभी नए पर्यटन क्रिया-कलापों या विद्यमान पर्यटन क्रियाकलापों का विस्तार, केन्द्रीय सरकार के पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय द्वारा जारी दिशानिर्देशों तथा पारिस्थितिकी पर्यटन पर बल देने वाले राष्ट्रीय व्याघ्र संरक्षण प्राधिकरण द्वारा जारी पारिस्थितिकी पर्यटन संबंधी दिशानिर्देशों (समय-समय पर यथा संशोधित) के अनुसार होगा।

(iii) आंचलिक महायोजना का अनुमोदन होने तक, पर्यटन के विकास और विद्यमान पर्यटन क्रियाकलापों के विस्तार को वास्तविक स्थल-विशिष्ट संवीक्षा तथा निगरानी समिति की सिफारिश के आधार पर संबंधित विनियामक प्राधिकरणों द्वारा अनुज्ञात किया जाएगा और पारिस्थितिकी संवेदी जोन में किसी नए होटल/रिसोर्ट या वाणिज्यिक प्रतिष्ठान का सन्निर्माण अनुज्ञात नहीं होगा।

(4) **प्राकृतिक विरासत**—पारिस्थितिकी संवेदी जोन के अंतर्गत आने वाले बहुमूल्य प्राकृतिक विरासत के सभी स्थलों जैसे कि जीन पूल रिजर्व क्षेत्र, शैल संरचना, जल प्रपात, झरने, दर्रे, उपवन, गुफाएं, स्थल, वनपथ, रोहण मार्ग, उत्प्रपात आदि की पहचान की जाएगी और उनकी सुरक्षा एवं संरक्षण के लिए आंचलिक महायोजना के भाग के रूप में एक विरासत संरक्षण योजना बनायी जाएगी।

(5) **मानव निर्मित विरासत स्थल**—पारिस्थितिकी संवेदी जोन में भवनों, संरचनाओं, कलाकृति-क्षेत्रों तथा ऐतिहासिक, स्थापत्य संबन्धी, सौंदर्यात्मक और सांस्कृतिक महत्व के क्षेत्रों की पहचान की जाएगी और उनके संरक्षण के लिए आंचलिक महायोजना के भाग के रूप में एक विरासत संरक्षण योजना बनायी जाएगी।

(6) **ध्वनि प्रदूषण**—तमिलनाडु राज्य सरकार का पर्यावरण विभाग या राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड, पर्यावरण (संरक्षण) अधिनियम, 1986 के अधीन बने ध्वनि प्रदूषण (विनियमन और नियंत्रण) नियम, 2000 के उपबंधों के अनुसार पारिस्थितिकी संवेदी जोन में ध्वनि प्रदूषण के नियंत्रण संबंधी विनियमों को लागू करेगा।

(7) **वायु प्रदूषण**—पारिस्थितिकी संवेदी जोन में वायु प्रदूषण की रोकथाम और नियंत्रण, वायु (प्रदूषण निवारण और नियंत्रण) अधिनियम, 1981 (1981 का 14) के उपबंधों और उसके अधीन बनाए गए नियमों और उनमें किए गए संशोधनों के अनुसार किया जाएगा।

(8) **बहिस्राव का निस्सारण**—पारिस्थितिकी संवेदी जोन में उपचारित बहिस्राव का निस्सारण, पर्यावरण (संरक्षण) अधिनियम, 1986 और उसके अधीन बनाए गए नियमों के अन्तर्गत शामिल किए गए पर्यावरणीय प्रदूषण के निस्सारण संबंधी साधारण मानकों या राज्य सरकार द्वारा नियत मानकों, इनमें जो भी अधिक कठोर हों, के अनुसार किया जाएगा।

(9) **ठोस अपशिष्ट**—ठोस अपशिष्ट का निपटान एवं प्रबंधन निम्नानुसार किया जाएगा:—

(क) पारिस्थितिकी संवेदी जोन में ठोस अपशिष्ट का निपटान और प्रबंधन भारत सरकार के पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय की समय-समय पर यथा संशोधित अधिसूचना सं. का.आ. 1357(अ), दिनांक 8 अप्रैल, 2016 के तहत प्रकाशित ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियम, 2016 के उपबंधों के अनुसार किया जाएगा। अकार्बनिक पदार्थों का निपटान पारिस्थितिकी संवेदी जोन से बाहर चिन्हित किए गए स्थानों पर पर्यावरण-अनुकूल रीति से किया जाएगा;

(ख) पारिस्थितिकी संवेदी जोन में मान्य प्रौद्योगिकियों (ईएसएम) का प्रयोग करते हुए विद्यमान नियमों और विनियमों के अनुरूप ठोस अपशिष्ट का सुरक्षित और पर्यावरण अनुकूल प्रबंधन अनुज्ञात किया जायेगा।

(10) **जैव चिकित्सा अपशिष्ट**—जैव चिकित्सा अपशिष्ट का प्रबंधन निम्नानुसार किया जाएगा:—

(क) पारिस्थितिकी संवेदी जोन में जैव चिकित्सा अपशिष्ट का निपटान भारत सरकार के पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय की समय-समय पर यथा संशोधित अधिसूचना सं.सा.का.नि 343 (अ), तारीख 28 मार्च, 2016 के तहत प्रकाशित जैव चिकित्सा अपशिष्ट प्रबंधन नियम, 2016 के उपबंधों के अनुसार किया जाएगा।

(ख) पारिस्थितिकी संवेदी जोन में मान्य प्रौद्योगिकियों (ईएसएम) का प्रयोग करते हुए विद्यमान नियमों और विनियमों के अनुरूप ठोस अपशिष्ट का सुरक्षित और पर्यावरण अनुकूल प्रबंधन अनुज्ञात किया जायेगा।

(11) **प्लास्टिक अपशिष्ट का प्रबंधन**:—पारिस्थितिकी संवेदी जोन में प्लास्टिक अपशिष्ट का प्रबंधन, भारत सरकार के पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय की समय-समय पर यथा संशोधित अधिसूचना सं.सा.का.नि 340(अ), तारीख 18 मार्च, 2016 के तहत प्रकाशित प्लास्टिक अपशिष्ट प्रबंधन नियम, 2016 के उपबंधों के अनुसार किया जाएगा।

(12) **निर्माण और विध्वंस अपशिष्ट का प्रबंधन**:—पारिस्थितिकी संवेदी जोन में निर्माण और विध्वंस अपशिष्ट का प्रबंधन, भारत सरकार के पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय की समय-समय पर यथा संशोधित अधिसूचना सं.सा.का.नि 317(अ), तारीख 29 मार्च, 2016 के तहत प्रकाशित निर्माण और विध्वंस अपशिष्ट प्रबंधन नियम, 2016 के उपबंधों के अनुसार किया जाएगा।

(13) **ई-अपशिष्ट**:—पारिस्थितिकी संवेदी जोन में ई-अपशिष्ट का प्रबंधन, भारत सरकार के पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय द्वारा प्रकाशित तथा समय-समय पर यथा संशोधित ई-अपशिष्ट प्रबंधन नियम, 2016 के उपबंधों के अनुसार किया जाएगा।

(14) **सड़क-यातायात**:—सड़क-यातायात को पर्यावास-अनुकूल तरीके से विनियमित किया जाएगा और इस संबंध में आंचलिक महायोजना में विशेष उपबंध शामिल किए जाएंगे। आंचलिक महायोजना के तैयार होने और राज्य सरकार के सक्षम प्राधिकारी से अनुमोदित होने तक, निगरानी समिति प्रासंगिक अधिनियमों और उनके तहत बनाए गए नियमों एवं विनियमों के अनुसार सड़क-यातायात के अनुपालन की निगरानी करेगी।

(15) **वाहन जनित प्रदूषण**:—वाहन जनित प्रदूषण की रोकथाम और नियंत्रण लागू विधियों के अनुसार किया जाएगा। स्वच्छतर ईंधन जैसे कि सीएनजी, एलपीजी आदि के प्रयोग के प्रयास किए जाएंगे।

(16) **औद्योगिक ईकाइयां**:—(i) सरकारी राजपत्र में इस अधिसूचना के प्रकाशन की तारीख को या उसके बाद पारिस्थितिकी संवेदी जोन में किसी नए प्रदूषणकारी उद्योग की स्थापना अनुज्ञात नहीं होगी।

(ii) जब तक इस अधिसूचना में विनिर्दिष्ट न हो, पारिस्थितिकी संवेदी जोन में केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड द्वारा फरवरी, 2016 में जारी दिशानिर्देशों में किए गए उद्योगों के वर्गीकरण के अनुसार केवल गैर-प्रदूषणकारी उद्योगों की स्थापना अनुज्ञात होगी। इसके अतिरिक्त, गैर-प्रदूषणकारी कुटीर उद्योगों को बढ़ावा दिया जाएगा।

(17) **पहाड़ी ढलानों का संरक्षण:**—पहाड़ी ढलानों का संरक्षण निम्नानुसार किया जाएगा:—

- (क) आंचलिक महायोजना में पहाड़ी ढलानों के उन क्षेत्रों को दर्शाया जाएगा जिनमें किसी भी संनिर्माण की अनुज्ञा नहीं होगी।
- (ख) जिन ढलानों या विद्यमान खड़ी पहाड़ी ढलानों में अत्यधिक भू-क्षरण होता है उनमें किसी भी संनिर्माण की अनुज्ञा नहीं होगी।

(18) केन्द्र सरकार और राज्य सरकार, यदि आवश्यक समझें तो, इस अधिसूचना के उपबंधों को प्रभावी बनाने के लिए, अन्य उपाय विनिर्दिष्ट करेंगी।

4. पारिस्थितिकी संवेदी जोन में प्रतिषिद्ध या विनियमित किए जाने वाले क्रियाकलापों की सूची—पारिस्थितिकी संवेदी जोन में सभी क्रियाकलाप, पर्यावरण (संरक्षण) अधिनियम, 1986 (1986 का 29) के उपबंधों और तटीय विनियमन जोन (सीआरजेड) अधिसूचना, 2011 एवं पर्यावरणीय प्रभाव आकलन (ईआईए) अधिसूचना, 2006 सहित उसके अधीन बने नियमों और वन (संरक्षण) अधिनियम, 1980 (1980 का 69), भारतीय वन अधिनियम, 1927 (1927 का 16), वन्यजीव (संरक्षण) अधिनियम, 1972 (1972 का 53) सहित अन्य लागू नियमों तथा उनमें किए गए संशोधनों के अनुसार शासित होंगे और नीचे दी गई सारणी में विनिर्दिष्ट रीति से विनियमित होंगे,

सारणी

क्रम सं. (1)	क्रियाकलाप (2)	टिप्पणी (3)
क. प्रतिषिद्ध क्रियाकलाप		
1.	वाणिज्यिक खनन।	(क) स्थानीय निवासियों की वास्तविक घरेलू आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए किए जाने वाले क्रियाकलापों, जिनमें घरों के निर्माण या मरम्मत और मकान बनाने एवं अन्य क्रियाकलापों के लिए देशी टाइलें या ईंटें बनाने हेतु जमीन की खुदाई शामिल है, को छोड़कर सभी नई और वर्तमान (लघु एवं बृहद खनिज) पत्थर खोदने एवं तोड़ने वाली ईकाइयां तत्काल प्रभाव से निषिद्ध की जाती हैं ; (ख) खनन क्रियाकलाप, टी.एन. गोदावर्धन थिरूमलपाद बनाम भारत संघ के मामले में वर्ष 1995 की रिट याचिका (सिविल) सं 202 में दिनांक 4 अगस्त, 2006 तथा गोवा फाउंडेशन बनाम भारत संघ के मामले में वर्ष 2012 की रिट याचिका(सिविल) सं. 435 में दिनांक 21 अप्रैल, 2014 के माननीय उच्चतम न्यायालय के आदेश के अनुसार किए जाएंगे।
2.	प्रदूषण (जल, वायु, मृदा, ध्वनि आदि) उत्पन्न करने वाले उद्योगों की स्थापना।	पारिस्थितिकी संवेदी जोन में कोई नया उद्योग लगाने और वर्तमान प्रदूषणकारी उद्योगों का विस्तार करने की अनुमति नहीं होगी। जब तक कि इस अधिसूचना में विनिर्दिष्ट न हो, पारिस्थितिकी संवेदी जोन में फरवरी, 2016 में केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड द्वारा जारी दिशानिर्देशों में किए गए उद्योगों के वर्गीकरण के अनुसार केवल गैर- प्रदूषणकारी उद्योगों की स्थापना होगी। इसके अतिरिक्त, गैर-प्रदूषणकारी कुटीर उद्योगों को प्रोत्साहन दिया जाएगा।
3.	बड़ी ताप एवं जल विद्युत परियोजनाओं की स्थापना।	लागू विधियों के अनुसार प्रतिषिद्ध (अन्यथा उपबंधित के सिवाय) होंगे।
4.	किसी परिसंकटमय पदार्थ का प्रयोग या उत्पादन या प्रसंकरण।	लागू विधियों के अनुसार प्रतिषिद्ध (अन्यथा उपबंधित के सिवाय) होंगे।
5.	प्राकृतिक जल निकायों या भूमि क्षेत्र में अनुपचारित बहिस्त्रावों का निस्सारण।	लागू विधियों के अनुसार प्रतिषिद्ध (अन्यथा उपबंधित के सिवाय) होंगे।

ख. विनियमित क्रियाकलाप		
6.	होटलों और रिजॉर्टों की वाणिज्यिक स्थापना।	पारिस्थितिकी पर्यटन क्रियाकलापों हेतु लघु अस्थायी संरचनाओं के निर्माण को छोड़कर संरक्षित क्षेत्र की सीमा से 1.0 किलोमीटर के भीतर या पारिस्थितिकी संवेदी जोन की सीमा तक, इनमें जो भी अधिक निकट हो, नए वाणिज्यिक होटलों और रिजॉर्टों की स्थापना अनुज्ञात नहीं होगी। परंतु, संरक्षित क्षेत्र की सीमा से 1.0 किलोमीटर के बाहर या पारिस्थितिकी संवेदी जोन की सीमा तक, इनमें जो भी अधिक निकट हो, सभी नए पर्यटन क्रियाकलाप करने या विद्यमान क्रियाकलापों का विस्तार पर्यटन महायोजना और लागू दिशानिर्देशों के अनुसार अनुज्ञात होगी।
7.	संनिर्माण क्रियाकलाप।	(क) संरक्षित क्षेत्र की सीमा से 1.0 किलोमीटर के भीतर या पारिस्थितिकी संवेदी जोन की सीमा तक, इनमें जो भी अधिक निकट हो, किसी भी नये वाणिज्यिक संनिर्माण की अनुज्ञा नहीं होगी:— (ख) परंतु स्थानीय लोगों को अपनी आवास सम्बन्धी निम्नलिखित आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए, पैरा 6 के उप पैरा (1) में सूचीबद्ध क्रियाकलापों सहित अपने प्रयोग के लिए, अपनी भूमि में भवन उप-विधियों के अनुसार, संनिर्माण करने की अनुज्ञा होगी जैसे कि :— (i) विद्यमान सड़कों को चौड़ा करना, उन्हें सुदृढ़ करना और नई सड़कों का संनिर्माण; (ii) बुनियादी ढांचों और नागरिक सुविधाओं का संनिर्माण और नवीकरण; (iii) फरवरी, 2016 में केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड द्वारा किए गए वर्गीकरण के अनुसार गैर-प्रदूषणकारी लघु उद्योगों की स्थापना ; (iv) ग्रामीण उद्योगों सहित कुटीर उद्योगों, सुविधा भण्डारों और ग्रह-वास सहित पारिस्थितिकी पर्यटन में सहायक स्थानीय सुविधाओं की व्यवस्था; और (v) इस अधिसूचना में सूचीबद्ध बढ़ावा दिए गए क्रियाकलाप। (ग) परन्तु गैर-प्रदूषणकारी लघु उद्योगों से संबंधित संनिर्माण क्रियाकलाप लागू नियमों और विनियमों, यदि कोई हों, के अनुसार सक्षम प्राधिकारी की पूर्व अनुमति से विनियमित किए जाएंगे और वे न्यूनतम होंगे।
8.	गैर प्रदूषणकारी लघु उद्योग।	फरवरी, 2016 में केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड द्वारा जारी उद्योगों के वर्गीकरण के अनुसार गैर-प्रदूषणकारी उद्योग तथा अपरिसंकटमय लघु और सेवा उद्योग, कृषि, पुष्प कृषि, बागवानी या कृषि आधारित उद्योग, जो पारिस्थितिकी संवेदी जोन से देशी सामग्रियों से उत्पाद बनाते हैं, सक्षम प्राधिकारी द्वारा अनुज्ञात होंगे।
9.	विद्युत और संचार टॉवर लगाने, तार-बिछाने तथा अन्य बुनियादी ढांचे की व्यवस्था।	लागू विधियों के अधीन विनियमित होगा। भूमिगत केबल बिछाने को बढ़ावा दिया जाएगा।
10.	पर्यटन से संबंधित अन्य क्रियाकलाप जैसे कि पारिस्थितिकी संवेदी जोन क्षेत्र के ऊपर से गर्म वायु के गुब्बारे, हेलीकाप्टर, ड्रोन, माइक्रोलाइट्स उड़ाना आदि।	लागू विधियों के अधीन विनियमित होगा।
11.	स्थानीय जनता द्वारा अपनायी जा रही वर्तमान कृषि और बागवानी पद्धतियों के साथ डेयरियां, दुग्ध उत्पादन, जल कृषि और मत्स्य पालन।	स्थानीय जनता के प्रयोग के लिए लागू विधियों के अधीन अनुज्ञात होंगे।
12.	विदेशी प्रजातियों को लाना।	लागू विधियों के अधीन विनियमित होगा।
13.	प्राकृतिक जल निकायों या भू क्षेत्र में	जल निकायों में उपचारित अपशिष्ट जल/बहिर्वाह के निस्सारण से बचा

	उपचारित अपशिष्ट जल/बहिर्वाह का निस्सारण ।	जाएगा। उपचारित अपशिष्ट जल के पुनर्चक्रण और पुनःउपयोग के प्रयास किए जाएंगे अन्यथा उपचारित अपशिष्ट जल/बहिर्वाह का निस्सारण लागू विधियों के अनुसार विनियमित किया जाएगा।
14.	सतही और भूजल का वाणिज्यिक प्रयोग एवं निष्कर्षण ।	लागू विधियों के अधीन विनियमित होगा ।
15.	ठोस अपशिष्ट प्रबंधन।	लागू विधियों के अधीन विनियमित होगा ।
16.	पोलिथीन बैगों का प्रयोग ।	लागू विधियों के अधीन विनियमित होगा ।
17.	पारिस्थितिकी पर्यटना।	लागू विधियों के अधीन विनियमित होगा ।
18.	वाणिज्यिक संकेत बोर्ड और होर्डिंग का प्रयोग ।	लागू विधियों के अधीन विनियमित होगा ।
19.	विलवणीकरण संयंत्र।	लागू विधियों के अधीन विनियमित होगा ।
20.	पोर्ट गतिविधियां (कार्गो हैंडलिंग / रखरखाव ड्रेजिंग/ विस्तार)।	लागू विधियों के अधीन विनियमित होगा ।
21.	मत्स्य पालन बंदरगाह।	लागू विधियों के अधीन विनियमित होगा ।
22.	मत्स्य पालन (प्रान्त संस्कृति)	लागू विधियों के अधीन विनियमित होगा ।
23.	लवण-पटल।	लागू विधियों के अधीन विनियमित होगा ।
24.	अनुसंधान प्रतिष्ठान।	लागू विधियों के अधीन विनियमित होगा ।
25.	समुद्री शैवाल और अन्य संसाधनों जैसे कि रीफ मछलियों का संग्रह।	लागू विधियों के अधीन विनियमित होगा ।
26.	लाइट पोस्ट निर्माण।	लागू विधियों के अधीन विनियमित होगा ।
ग.संवर्धित क्रियाकलाप		
27.	वर्षा जल संचय ।	सक्रिय रूप से बढ़ावा दिया जाएगा ।
28.	जैविक खेती।	सक्रिय रूप से बढ़ावा दिया जाएगा ।
29.	सभी गतिविधियों के लिए हरित प्रौद्योगिकी का अंगीकरण ।	सक्रिय रूप से बढ़ावा दिया जाएगा ।
30.	ग्रामीण कारीगरी सहित कुटीर उद्योग।	सक्रिय रूप से बढ़ावा दिया जाएगा ।
31.	नवीकरणीय ऊर्जा और ईंधन का प्रयोग।	बायोगैस, सौर प्रकाश इत्यादि को सक्रिय बढ़ावा दिया जाएगा।
32.	पारिस्थितिकी अनुकूल यातायात का प्रयोग ।	सक्रिय रूप से बढ़ावा दिया जाएगा ।
33.	कौशल विकास ।	सक्रिय रूप से बढ़ावा दिया जाएगा ।
34.	अवक्रमित भूमि/वनों/पर्यावासों की बहाली ।	सक्रिय रूप से बढ़ावा दिया जाएगा ।
35.	पर्यावरण के प्रति जागरुकता।	सक्रिय रूप से बढ़ावा दिया जाएगा ।
36.	पारंपरिक मत्स्य पालन प्रथाओं।	सक्रिय रूप से बढ़ावा दिया जाएगा ।
37.	जहाजों की आवाजाही।	सक्रिय रूप से बढ़ावा दिया जाएगा ।

5. निगरानी समिति- केंद्रीय सरकार, पर्यावरण (संरक्षण) अधिनियम, 1986 (1986 का 29) की धारा 3 की उपधारा (3) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, पारिस्थितिकी संवेदी जोन की प्रभावी निगरानी के लिए निम्नलिखित को शामिल करके एक निगरानी समिति गठित करती है:—

1.	जिला कलेक्टर, रामानाथापुरम	-अध्यक्ष;
2.	राज्य सरकार द्वारा मनोनीत वन्यजीव संरक्षण के क्षेत्र में काम कर रहे गैर-सरकारी संगठन का एक प्रतिनिधि	-सदस्य;
3.	राज्य सरकार द्वारा नामित किया जाने वाला एक जैवविविधता विशेषज्ञ	-सदस्य;
4.	राज्य सरकार द्वारा नामित किया जाने वाला एक पारिस्थितिकी और पर्यावरण विशेषज्ञ	-सदस्य;
5.	राज्य लोक निर्माण विभाग का एक प्रतिनिधि	-सदस्य;
6.	राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड का एक प्रतिनिधि	-सदस्य;
7.	वन्यजीव वार्डन, गल्फ ऑफ मन्नार मरिन राष्ट्रीय उद्यान, रामानाथापुरम की खाड़ी	-सदस्य सचिव।

6. विचारार्थ विषय:—

(1) निगरानी समिति इस अधिसूचना के उपबंधों के अनुपालन की निगरानी करेगी।

(2) निगरानी समिति का कार्यकाल तीन वर्ष तक या राज्य सरकार द्वारा नई समिति का पुनर्गठन किए जाने तक होगा और इसके बाद निगरानी समिति राज्य सरकार द्वारा गठित की जाएगी।

(3) पारिस्थितिकी संवेदी जोन के अंतर्गत आने वाले और भारत सरकार के तत्कालीन पर्यावरण और वन मंत्रालय की अधिसूचना सं. का.आ. 1533(अ) तारीख 14 सितंबर, 2006 की अनुसूची में शामिल क्रियाकलापों इस अधिसूचना के पैरा 4 के अधीन सारणी में यथा विनिर्दिष्ट प्रतिषिद्ध क्रियाकलापों को छोड़कर वास्तविक विनिर्दिष्ट स्थलीय दशाओं के आधार पर निगरानी समिति द्वारा संवीक्षा की जाएगी और उन्हें उक्त अधिसूचना के उपबंधों के अधीन पूर्व पर्यावरण अनापत्ति के लिए केन्द्रीय सरकार के पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय को भेजा जाएगा।

(4) इस अधिसूचना के पैरा 4 के अधीन सारणी में यथा विनिर्दिष्ट प्रतिषिद्ध क्रियाकलापों को छोड़कर, भारत सरकार के तत्कालीन पर्यावरण और वन मंत्रालय की अधिसूचना संख्या का.आ. 1533(अ) तारीख 14 सितंबर, 2006 की अनुसूची में शामिल न किए गए परंतु पारिस्थितिकी संवेदी जोन के अंतर्गत आने वाले क्रियाकलापों की वास्तविक स्थल- विशिष्ट दशाओं के आधार पर निगरानी समिति द्वारा संवीक्षा की जाएगी और उन्हें संबंधित विनियामक प्राधिकरणों को भेजा जाएगा।

(5) निगरानी समिति का सदस्य-सचिव या संबंधित उपायुक्त ऐसे व्यक्ति के विरुद्ध, जो इस अधिसूचना के किसी उपबंध का उल्लंघन करता है, पर्यावरण (संरक्षण) अधिनियम, 1986 की धारा 19 के अधीन शिकायत दर्ज करने के लिए सक्षम होगा।

(6) निगरानी समिति संबंधित विभागों के प्रतिनिधियों या विशेषज्ञों, औद्योगिक संघों के प्रतिनिधियों या संबंधित पक्षों को, प्रत्येक मामले में आवश्यकता के अनुसार, अपने विचार-विमर्श में सहायता के लिए आमंत्रित कर सकेगी।

(7) निगरानी समिति प्रत्येक वर्ष 31 मार्च की स्थिति के अनुसार अपनी वार्षिक कार्यवाही रिपोर्ट राज्य के मुख्य वन्यजीव वार्डन को, **उपाबंध V** में दिए गए प्रपत्र के अनुसार, उस वर्ष की 30 जून तक प्रस्तुत करेगी।

(8) केन्द्रीय सरकार का पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय निगरानी समिति को उसके कृत्यों के प्रभावी निर्वहन के लिए ऐसे निदेश दे सकेगा जो वह उचित समझे।

7. इस अधिसूचना के उपबंधों को प्रभावी बनाने के लिए केन्द्रीय सरकार और राज्य सरकार, अतिरिक्त उपाय, यदि कोई हों, विनिर्दिष्ट कर सकेंगी।

8. इस अधिसूचना के उपबंध भारत के माननीय उच्चतम न्यायालय या उच्च न्यायालय या राष्ट्रीय हरित अधिकरण द्वारा पारित किए गए या पारित किए जाने वाले आदेश, यदि कोई हो, के अधीन होंगे।

[फा. सं. 25/19/2018-ईएसजेड]

ललित कपूर, वैज्ञानिक 'जी'

उपाबंध- I**संरक्षित क्षेत्र के पारिस्थितिकी संवेदी जोन की सीमा का वर्णन**

गल्फ ऑफ मन्नार मरिन राष्ट्रीय उद्यान के पारिस्थितिकी संवेदी जोन की सीमा का वर्णन विशिष्ट द्वीप समूह का वर्णन निम्न रूप से है:

तूतीकोरिन समूह:

उत्तर	पारिस्थितिकी संवेदी जोन की सीमा कीलावाईप्पर ग्राम के एचटीएल उत्तर पर बिंदु राष्ट्रीय उद्यान सीमा की उत्तरी सीमा से लगभग 2.90 किलोमीटर की दूरी से आरंभ होता है।
उत्तर पूर्व	राष्ट्रीय उद्यान की सीमा की उत्तरी सीमा (कराईचल्ली द्वीप के उत्तर पूर्व) से 2.0 किलोमीटर दूरी पर है।
पूर्व	सीमा राष्ट्रीय उद्यान की सीमा से दक्षिण पूर्वी दिशा में 2.0 किलोमीटर की दूरी पर जाती है। इसके बाद विलनगुचल्ली द्वीप के पूर्व के निकट राष्ट्रीय उद्यान की पूर्वी सीमा से 2.0 किलोमीटर की दूरी पर दक्षिण पश्चिमी दिशा में जाती है।
दक्षिण पूर्व	राष्ट्रीय उद्यान सीमा के दक्षिण पूर्वी टिप से 2.0 किलोमीटर की दूरी है जो कि वान द्वीप के दक्षिण पूर्व है।
दक्षिण	वान द्वीप के दक्षिण से 2.0 किलोमीटर दूरी है।
दक्षिण पश्चिम	ओल्ड हारबॉर, तूतीकोरिन के निकट एचटीएल पर बिंदु के वान द्वीप के दक्षिण पश्चिम राष्ट्रीय उद्यान की सीमा के दक्षिण पश्चिमी टिप से दक्षिण पूर्वी दिशा में 4.16 किलोमीटर की दूरी में जाती है।
पश्चिम	सीमा ओल्ड हारबॉर के निकट बिंदु से एचटीएल के साथ उत्तर की ओर जाती है यह कीलावाईप्पर ग्राम के उत्तर एचटीएल पर बिंदु को छूती है।
उत्तर पश्चिम	सीमा एचटीएल के साथ जाती है यह कीलावाईप्पर ग्राम के उत्तर एचटीएल बिंदु को छूती है।

वेमबर द्वीप समूह:

उत्तर	पारिस्थितिकी संवेदी जोन की सीमा मूकैयूर के निकट उप्पु तन्नी द्वीप के निकट के उत्तर राष्ट्रीय उद्यान की सीमा की उत्तरी सीमा से लगभग 3.10 किलोमीटर की दूरी में आरंभ होती है। इसके बाद सीमा उच्च ज्वार रेखा के साथ पूर्व की ओर जाती है।
उत्तर पूर्व	उच्च ज्वार रेखा के बिंदु से नल्लातन्नी द्वीप के उत्तर राष्ट्रीय उद्यान के उत्तरी सीमा से लगभग 2.0 किलोमीटर की दूरी में परियाकुलम ग्राम के समुद्री तट के पूर्व में जाती है।
पूर्व	इसके बाद सीमा राष्ट्रीय उद्यान की सीमा से दक्षिण पूर्वी दिशा में 2.0 किलोमीटर की दूरी में जाती है।
दक्षिण पूर्व	राष्ट्रीय उद्यान सीमा के दक्षिण पूर्वी टिप से 2.0 किलोमीटर दूरी है जो कि नल्लातन्नी द्वीप के दक्षिण पूर्व है।
दक्षिण	नल्लातन्नी के दक्षिण राष्ट्रीय उद्यान की दक्षिणी सीमा के दक्षिण की दूरी 2.0 किलोमीटर है। इसके बाद सीमा पश्चिम की ओर 2.0 किलोमीटर की दूरी में जाती है।
दक्षिण पश्चिम	उप्पुतन्नी द्वीप के दक्षिण पश्चिम राष्ट्रीय उद्यान की सीमा के दक्षिण पश्चिमी टिप से दक्षिण पूर्वी दिशा में 2.0 किलोमीटर की दूरी में जाती है।

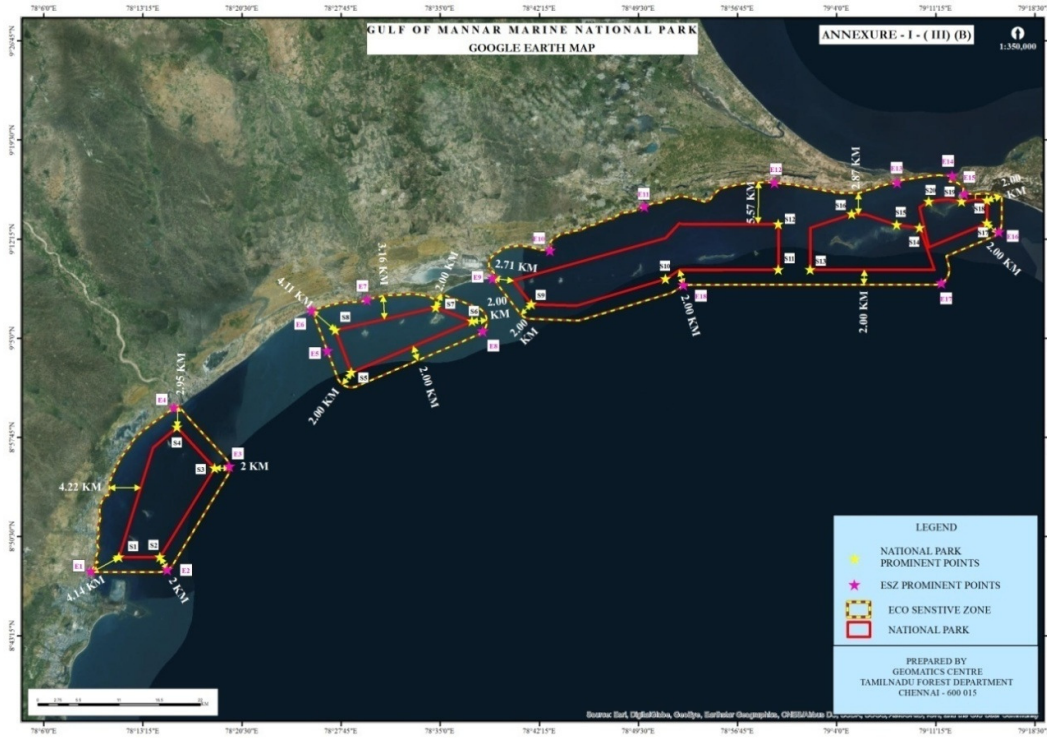
पश्चिम	सीमा राष्ट्रीय उद्यान की सीमा से 2.0 किलोमीटर की दूरी के साथ उत्तर की ओर जाती है यह एचटीएल पर बिंदु को छूती है।
उत्तर पश्चिम	सीमा उष्णतन्त्री द्वीप के उत्तर पश्चिम, राष्ट्रीय उद्यान की उत्तर पश्चिमी सीमा से 4.0 किलोमीटर की दूरी में नरिपैयूर ग्राम के पूर्व एचटीएल पर बिंदु से आरंभ होती है।

कीलाकराई और मंडपम द्वीप समूह:

उत्तर	पारिस्थितिकी संवेदी जोन की सीमा चिन्ना इरवडी ग्राम के दक्षिण एचटीएल पर बिंदु पर अनैपर द्वीप पर उत्तर राष्ट्रीय उद्यान सीमा की उत्तरी सीमा से लगभग 2.50 किलोमीटर की दूरी से आरंभ होती है। इसके बाद सीमा उच्च ज्वार रेखा के साथ पूर्व की ओर जाती है यह रामेश्वरम में कुण्डुगल ग्राम के पूर्व बिंदु को छूती है।
उत्तर पूर्व	राष्ट्रीय उद्यान सीमा के सिंगल द्वीप के उत्तर पूर्व पर उत्तरी पूर्वी सीमा से 2.0 किलोमीटर की दूरी में जाती है।
पूर्व	सीमा राष्ट्रीय उद्यान की सीमा से दक्षिण दिशा की ओर 2.0 किलोमीटर की दूरी में जाती है।
दक्षिण पूर्व	राष्ट्रीय उद्यान सीमा के दक्षिण पूर्वी टिप से 2.0 किलोमीटर की दूरी में जाती है जो कि सिंगल द्वीप के दक्षिण पूर्व है।
दक्षिण	मंडपम और कीलाकराई समूह के द्वीप के राष्ट्रीय उद्यान की सीमा के दक्षिण से 2.0 किलोमीटर की दूरी है।
दक्षिण पश्चिम	अनैपर द्वीप के दक्षिणपश्चिम, राष्ट्रीय उद्यान की सीमा के दक्षिण पश्चिमी टिप से दक्षिण-पश्चिमी दिशा में 2.0 किलोमीटर की दूरी में जाती है।
पश्चिम	सीमा अनैपर द्वीप के पश्चिम पर राष्ट्रीय उद्यान की सीमा से 2.0 किलोमीटर की दूरी में उत्तर की ओर जाती है यह वलिनोक्कम ग्राम के निकट उच्च ज्वार रेखा के बिंदु को छूती है।
उत्तर पश्चिम	सीमा वलिनोक्कम ग्राम के दक्षिण अनैपर द्वीप के उत्तर पश्चिम एचटीएल पर उत्तर पश्चिमी बिंदु के बिंदु से आरंभ होती है। इसके बाद सीमा एचटीएल के साथ पूर्व की ओर जाती है।

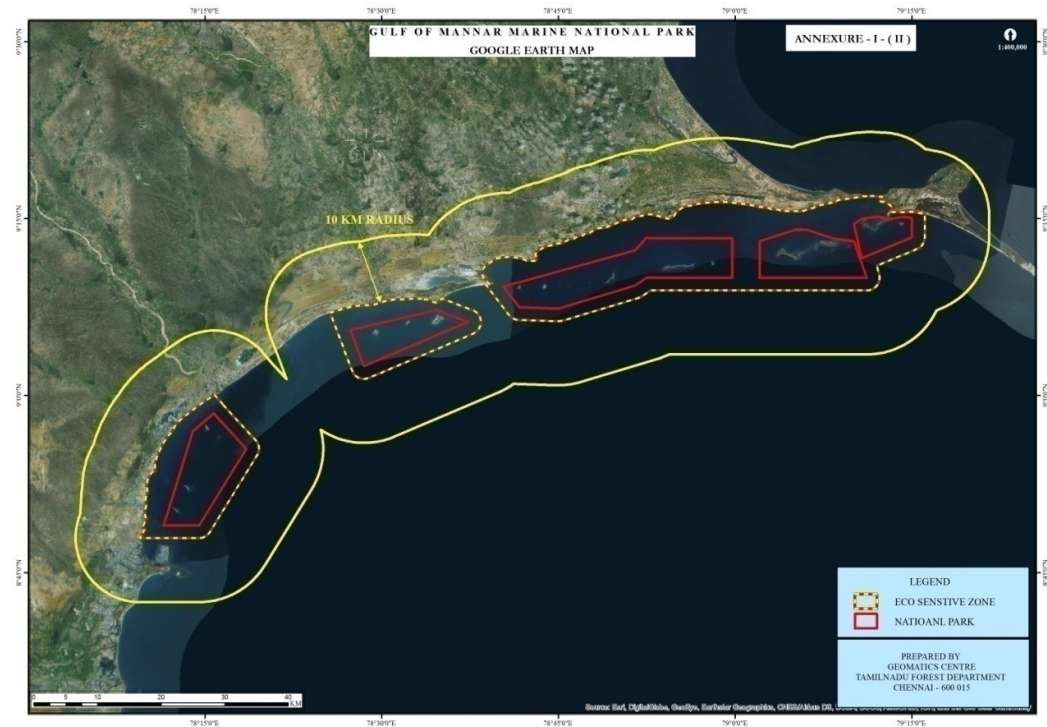
उपाबंध- Iक

गल्फ ऑफ मन्नार मरिन राष्ट्रीय उद्यान के पारिस्थितिकी संवेदी जोन का गूगल मानचित्र



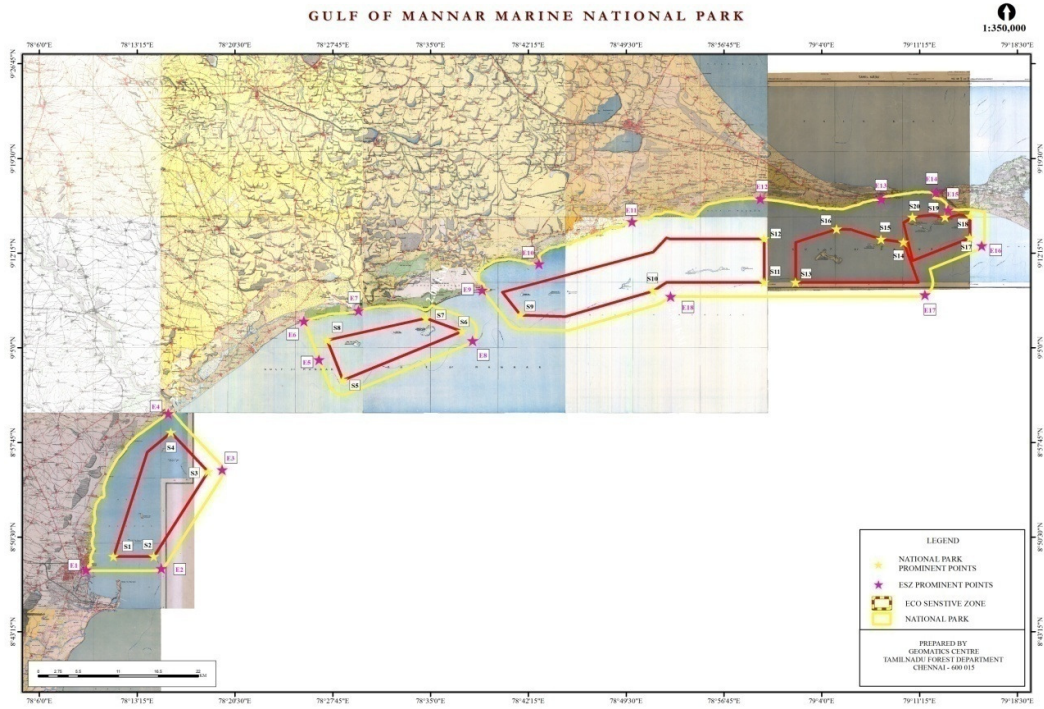
उपाबंध- Iख

गल्फ ऑफ मन्नार मरिन राष्ट्रीय उद्यान के पारिस्थितिकी संवेदी जोन का गूगल मानचित्र



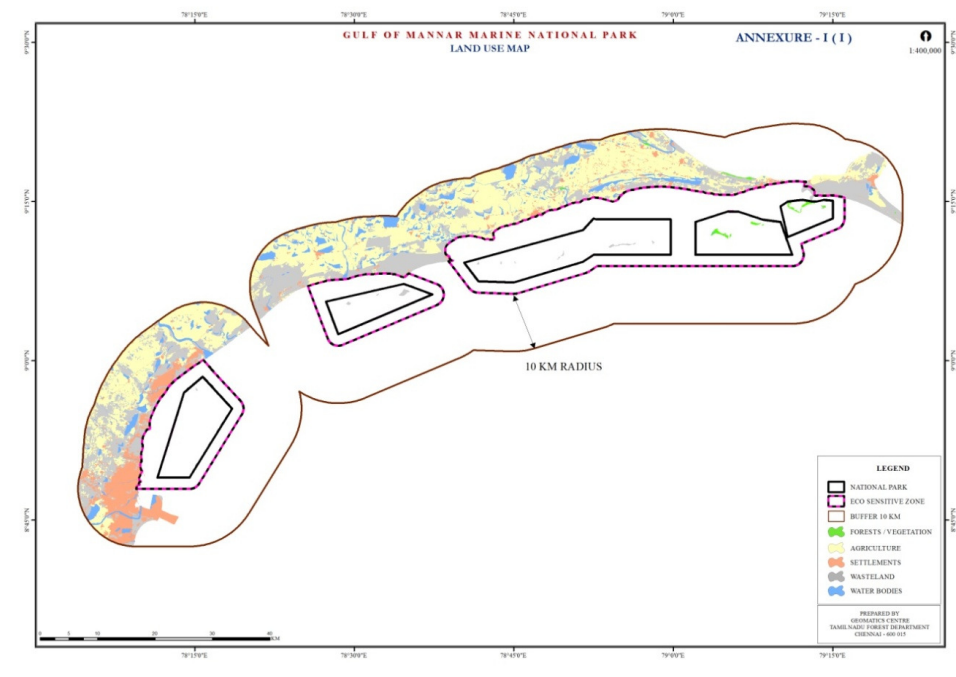
उपाबंध- IIग

भारतीय सर्वेक्षण (एस ओ आई) की टोपोशीट पर गल्फ ऑफ मन्नार मरिन राष्ट्रीय उद्यान के पारिस्थितिकी संवेदी का मानचित्र



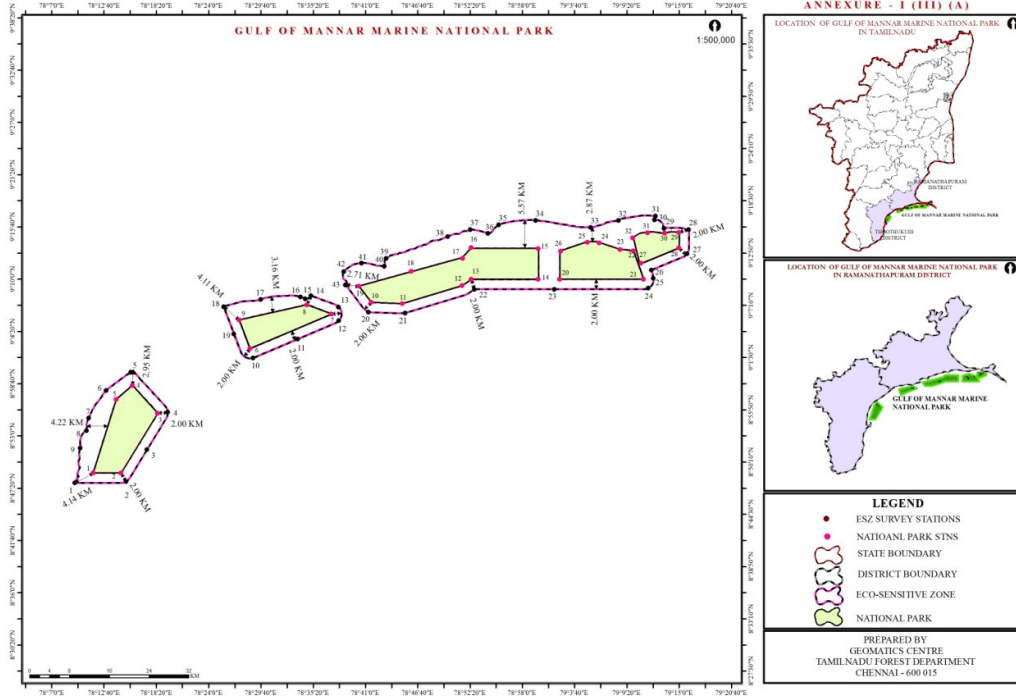
उपाबंध- IIघ

10 किलोमीटर बफर क्षेत्र के साथ गल्फ ऑफ मन्नार मरिन राष्ट्रीय उद्यान के पारिस्थितिकी संवेदी जोन का भू-उपयोग मानचित्र



उपाबंध- IIड.

प्रमुख अवस्थानों के अक्षांश और देशांतर के साथ गल्फ ऑफ मन्नार मरिन राष्ट्रीय उद्यान के पारिस्थितिकी संवेदी जोन का मानचित्र



उपाबंध-III

सारणी क: गल्फ ऑफ मन्नार मरिन राष्ट्रीय उद्यान, तमिलनाडु के प्रमुख स्थानों के अक्षांश-देशांतर

क्र.सं.	प्रमुख बिंदुओं की पहचान	प्रमुख बिंदु की अवस्थिति/ दिशा	अक्षांश (उ)	देशांतर (पू)
1.	36	शिगल (उत्तर)	9°14'35"	79°10'5"
2.	31	कुरुसदाई (उत्तर)	9°15'00"	79°13'25"
3.	32 (एस19)	उत्तर के कुरुसदाई द्वीप (उत्तर)	9°15'00"	79°13'10"
4.	33	कुरुसदाई (उत्तर)	9°15'10"	79°12'10"
5.	34	कुरुसदाई (उत्तर)	9°15'7"	79°11'35"
6.	35 (एस 20)	उत्तर के पुमेरिकान द्वीप (उत्तर)	9°15'00"	79°10'45"
7.	29 (एस 18)	पूर्वोत्तर के शिंगल द्वीप (उत्तर)	9°15'5"	79°15'00"
8.	30	पुल्लीवसल (उत्तर)	9°15'10"	79°14'10"
9.	27	पुमेरिकान (दक्षिण पश्चिम)	9°11'40"	79°10'45"
10.	28 (एस 17)	दक्षिणपूर्व के शिंगल द्वीप (दक्षिण पूर्व)	9°13'25"	79°15'00"
11.	24	मनोलीपुट्टी (उत्तर)	9°14'3"	79°6'10"

12.	25 (एस 16)	उत्तर के मुयाल द्वीप (उत्तर)	9°14'5"	79°5'7"पू
13.	26	मनोलीपट्टी (उत्तर)	9°13'5"	79°2'5"
14.	22 (एस 14)	पूर्व के मनोली द्वीप (उत्तर)	9°13'5"	79°10'5"पू
15.	23 (एस 15)	उत्तर के मनोली द्वीप (उत्तर)	9°13'18"	79°8'25"
16.	20 (एस 13)	दक्षिणपश्चिम के मुयाल (हरे) द्वीप (दक्षिण पश्चिम)	9°10'00"	79°2'5"पू
17.	21	हरे (दक्षिण पूर्व)	9°10'00"	79°11'10"पू
18.	17	मुल्ली (उत्तर)	9°13'25"	78°52'30"पू
19.	18	मुल्ली (उत्तर)	9°12'20"	78°51'30"पू
20.	19	मुल्ली (उत्तर पश्चिम)	9°9'15"	78°40'20"पू
21.	16	वालाई (उत्तर)	9°13'20"उ	78°52'45"पू
22.	15 (एस 12)	पूर्वोत्तर के मुल्ली द्वीप (उत्तर पूर्व)	9°13'20"उ	78°59'45"पू
23.	13	पूर्वरासानपट्टी (दक्षिण)	9°10'00"उ	78°52'30"पू
24.	14 (एस 11)	दक्षिणपूर्व के मुल्ली द्वीप (दक्षिण पूर्व)	9°10'00"उ	78°59'45"पू
25.	12 (एस 10)	दक्षिणपूर्व के अप्पा द्वीप (दक्षिण)	9°9'20"उ	78°51'30"पू
26.	11	वलीमुनाई (दक्षिण पश्चिम)	9°7'23"उ	78°45'00"पू
27.	10 (एस 9)	दक्षिण के अनैपार द्वीप (पश्चिम)	9°7'30"उ	78°41'40"पू
28.	8 (एस 7)	उत्तर के नल्लातन्नी द्वीप (उत्तर पूर्व)	9°7'15"उ	78°34'40"पू
29.	9 (एस 8)	उत्तर पश्चिम के उप्पुतन्नी द्वीप (उत्तर पश्चिम)	9°5'35"उ	78°27'20"पू
30.	7 (एस 6)	दक्षिणपूर्व के नल्लातन्नी द्वीप (दक्षिण पूर्व)	9°6'15"उ	78°37'20"पू
31.	6 (एस 5)	दक्षिण पश्चिम के उप्पुतन्नी द्वीप (दक्षिण पश्चिम)	9°2'30"उ	78°28'30"पू
32.	4 (एस 4)	उत्तर के कराईचल्ली द्वीप (उत्तर)	8°58'30"उ	78°15'45"पू
33.	5	विलनगुचल्ली (पश्चिम)	8°57'उ	78°14'पू
34.	3 (एस 3)	पूर्व के कराईचल्ली द्वीप (पूर्व)	8°55'30"उ	78°18'30"पू
35.	2 (एस 2)	दक्षिणपूर्व के वान द्वीप (दक्षिणपूर्व)	8°49'उ	78°14'30"पू
36.	1 (एस 1)	दक्षिण के वान द्वीप (दक्षिण पश्चिम)	8°49'उ	78°11'30"पू

सारणी ख: पारिस्थितिकी संवेदी जोन के प्रमुख स्थानों के अक्षांश-देशांतर

क्र.सं.	प्रमुख बिंदुओं की पहचान	प्रमुख बिंदु की अवस्थिति/ दिशा	अक्षांश (उ) डीएमएस प्रारूप	देशांतर (पू) डीएमएस प्रारूप
1	1 (ई 1)	उ प वान्निगुडी कनमोई की उत्तर पश्चिमी टिप	78°46'39.0216"	9°20'44.0628"
2	2	उ	78°47'48.6096"	9°21'1.0476"
3	3	उ	78°48'58.77"	9°21'17.802"
4	4 (ई 2)	उ वन्नन ओरनी की दक्षिणी टिप	78°49'44.4468"	9°21'28.6848"
5	5	उ	78°50'0.7584"	9°21'22.878"
6	6	उ	78°50'18.9744"	9°21'16.506"
7	7 (ई 3)	उ पू रामनाद-कीलाकराई सड़क पर सक्करकोट्टई कनमोई का उत्तर	78°50'37.6044"	9°21'10.098"
8	8	पू	78°50'35.4192"	9°20'46.8816"
9	9	पू	78°50'31.4052"	9°20'28.3344"
10	10 (ई 4)	पू रामनाद—कीलाकराई सड़क के साथ सक्करकोट्टई टैंक की दक्षिण पूर्वी सीमा	78°50'23.0568"	9°20'7.1556"
11	11	पू	78°50'14.6832"	9°20'4.4772"
12	12	पू	78°50'7.0764"	9°19'54.0984"
13	13	द पू	78°49'58.9872"	9°19'31.53"
14	14 (ई 5)	द पू रामनाद - कीलाकराई सड़क पर पालकराई दृष्टिकोण सड़क का चौराहा बिंदु	78°49'53.454"	9°19'14.7072"
15	15	द	78°49'23.4444"	9°19'17.6484"
16	16	द	78°48'45.4968"	9°19'22.4328"
17	17 (ई 6)	द पालकराई ग्राम सड़क	78°48'20.2176"	9°19'20.658"
18	18	द	78°47'43.9584"	9°19'32.2464"
19	19 (ई 7)	द प विट्टानूर उत्तर कनमोई बांध	78°47'19.5684"	9°19'41.8512"
20	20	द प	78°46'48.396"	9°19'55.6104"
21	21 (ई 8)	प वान्निगुडी कनमोई पश्चिमी बांध	78°46'24.564"	9°20'6.5616"
22	22	प	78°46'20.1072"	9°20'12.6348"

उपाबंध-IV

भू-निर्देशांकों के साथ गल्फ ऑफ मन्नार मरिन राष्ट्रीय उद्यान के पारिस्थितिकी संवेदी जोन के अंतर्गत आने वाले ग्राम क्षेत्र की सूची

क्र.सं.	ग्राम का नाम	ग्राम के प्रकार	तहसील/तालुक	जिला	अक्षांश (उ) डीएमएस प्रारूप	देशांतर (पू) डीएमएस प्रारूप
शून्य						

उपाबंध-V**पारिस्थितिकी संवेदी जोन की निगरानी समिति-की गई कार्रवाई सम्बन्धी रिपोर्ट का प्रपत्र**

1. बैठकों की संख्या और तारीख ।
2. बैठकों का कार्यवृत्त : कृपया मुख्य उल्लेखनीय बिंदुओं का वर्णन करें । बैठक के कार्यवृत्त को एक पृथक उपाबंध में प्रस्तुत करें ।
3. पर्यटन महायोजना सहित आंचलिक महायोजना की तैयारी की स्थिति ।
4. भू-अभिलेखों की स्पष्ट त्रुटियों के सुधार के लिए निबटाए गए मामलों का सार। विवरण उपाबंध के रूप में संलग्न करें।
5. पर्यावरण प्रभाव मूल्यांकन अधिसूचना, 2006 के अधीन आने वाली गतिविधियों से संबंधित संवीक्षा किए गए मामलों का सार । विवरण एक पृथक उपाबंध के रूप में संलग्न करें ।
6. पर्यावरण प्रभाव मूल्यांकन अधिसूचना, 2006 के अधीन न आने वाली गतिविधियों से संबंधित संवीक्षा किए गए मामलों का सार । विवरण एक पृथक उपाबंध के रूप में संलग्न करें ।
7. पर्यावरण (संरक्षण) अधिनियम, 1986 की धारा 19 के अधीन दर्ज की गई शिकायतों का सार ।
8. कोई अन्य महत्वपूर्ण मामला ।

MINISTRY OF ENVIRONMENT, FORESTS AND CLIMATE CHANGE**NOTIFICATION**

New Delhi, the 27th July, 2018

S.O. 3688(E).—The following draft of the notification, which the Central Government proposes to issue in exercise of the powers conferred by sub-section (1), read with clause (v) and clause (xiv) of sub-section (2) and sub-section (3) of section 3 of the Environment (Protection) Act, 1986 (29 of 1986) is hereby published, as required under sub-rule (3) of rule 5 of the Environment (Protection) Rules, 1986, for the information of the public likely to be affected thereby; and notice is hereby given that the said draft notification shall be taken into consideration on or after the expiry of a period of sixty days from the date on which copies of the Gazette containing this notification are made available to the Public;

Any person interested in making any objections or suggestions on the proposals contained in the draft notification may forward the same in writing, for consideration of the Central Government within the period so specified to the Secretary, Ministry of Environment, Forest and Climate Change, Indira Paryavaran Bhawan, Jorbagh Road, Aliganj, New Delhi-110 003, or send it to the e-mail address of the Ministry at: -eszmef@nic.in

Draft Notification

WHEREAS, the Gulf of Mannar Marine National Park lies Latitude 8°49'00"N and 9°15'00"N and Longitude 78°11'30"E and 79°10'5"E in the Ramanathapuram and Tuticorin District, of Tamil Nadu and extends over an area of **560.00 square kilometres**. The Government of Tamil Nadu vide G.O. Ms. No. 962, Forests and

Fisheries Department dated: 10.09.1986 notified the intention to declare the Marine National Park in Gulf of Mannar area in Tamil Nadu for the purpose of protecting Wildlife there in and its environments, including 3.5 fathom depth of sea on the Bay side and 5 fathom depth on the seaward side under the section 35(1) of Wildlife Protection Act, 1972.

AND WHEREAS, the 21 islands which are fringed by coral reefs and bear mangroves vegetation are in the Gulf of Mannar Marine National Park, off the coasts of Ramnad and Tuticorin district to the south east known by the names specified in column 1 of the following table and within the limits of the latitudes and longitudes is the "Gulf of Mannar Marine National Park".

AND WHEREAS, the Gulf of Mannar is one of the four major reef ecosystems in India. The Government of Tamil Nadu has established the Gulf of Mannar Marine National Park (GOMMNP) under the provision of the Indian Wildlife (Protection) Act, 1972, encompassing the 21 off-shore islands (including 2 submerged) and surrounding coral reef system in the Bay of Bengal, along the coastal districts of Ramanathapuram and Tuticorin in the year 1986. The primary objective of the establishment of the GOMMNP is to conserve the rich marine biodiversity of the Gulf of Mannar region by providing protection and through management.

AND WHEREAS, the Gulf of Mannar is endowed with a rich variety of marine flora and fauna as it includes ecosystems like coral reefs, rocky shores, sandy beaches, mud flats, estuaries, mangrove forests, seaweed stretches and sea grass beds. These ecosystems support a wide variety of fauna and flora including rare chanks, shrimps, lobsters, pearl oysters, whales, dugongs, turtles, seahorses, sea snakes, sea cucumbers etc. The diverse nature of ecosystems in the Gulf of Mannar supports a wide variety of significant species including 117 species of corals, 13 species of sea grasses, 641 species of crustaceans, 731 species of molluscs, 441 species of fin fishes and 147 species of seaweeds apart from the seasonally migrating marine mammals like whales, dolphins, porpoises and turtles.

AND WHEREAS, the mangrove habitats have 9 different species of vegetation supporting a variety of marine fauna including seabirds and sea snakes. The sacred chank, a *Turbinellapyrum*, Chank and pearl oyster bed also occurs in the Gulf of Mannar. There are about ten pearl banks. The most preferred species of pearl oyster is *Pinctada fucata*. The Gulf of Mannar was considered as "Biologists' paradise" with over 4200 species of flora and fauna.

AND WHEREAS, the area is the last refuge of any significance off the Indian coast where the most endangered mammal, Dugong (*Dugong dugon*) occurs. The area also contains the rare and unique Balanoglossus which is a link between invertebrates and vertebrates. The area is also very richly endowed with unique coral formations, marine shells, molluscs and tropical fish associated with coral islands. The playful Dolphins are also seen in this area.

AND WHEREAS, the National Park is basically for the conservation of marine flora and fauna. Examples of flora are Rosary Pea (*Abrus precatorius*), Wattles (*Acacia norrida*), Umbrella Thorn (*Acacia planifrons*), Nettle (*Acalypha indica*), Prickly chaff flower (*Achyranthes aspera*) etc; examples of fauna are Sea Cow (*Dugong dugon*), Rissos Dolphin (*Grampus griseus*), Bottle nosed Dolphin (*Tursiops truncates*), Chinese white Dolphin (*Sausa chinensis*), etc. The national park has a variety of birds e.g. Great Egret (*Ardea alba*), Grey Heron (*A. cinerea*), Pond Heron (*Ardea grayii*), Western Reef Heron (*Egretta gularis*), Ardeola Striatus (*Ardeola striatus*), Greater Flamingo (*Phoneicopterns rosens*), Northern Pintail (*Anas acuta*) etc.

AND WHEREAS, the national park has endemic, rare, endangered and threatened species. The endemic species in Gulf of Mannar includes namely *Balanoglossus*, *Enhalus acaroides* and *Pempis acidula*. The endangered species present in the sanctuary are Sea Cucumbers (*Holothurians*), Green Turtle (*Chelonia mydas*), Hawksbill Turtle (*Eretmochelys imbricate*), Olive Ridley Turtle (*Lepidochelys olivacea*), Loggerhead Turtle (*Caretta caretta*), Leather back Turtle (*Dermochelys coriacea*), Sea Horses (*Sygnathidae*) etc. Examples of rare species are Short Finned Pilot Whale (*Globicephala macrorhyncha*), Rissos Dolphin (*Grampus griseus*), Bottle nosed Dolphin (*Tursiops truncates*), Chinese white Dolphin (*Sausa chinensis*), False Killer Whale (*Pseudoarca crassidens*), Bryde's Whale (*Baleonoptera edeni*) etc. Sea Cow (*Dugong dugon*) is threatened species recorded in the sanctuary.

AND WHEREAS, there is no habitation within the Marine National Park and ESZ.. There are about 47 fishing villages along the Gulf of Mannar Marine National Park coast, of which 38 are in Ramanathapuram District and 9 villages are in Tuticorin District. The fishermen from these villages depend solely on fishing for their livelihood. There are altogether about over 150,000 fisher-folk living in these villages of which more than 40% are active fishermen. Exploitation of fishery resources in the inshore waters had been the sole

occupation for several thousand families living along the coast of Gulf of Mannar for centuries. They have been in such close intimacy with the coastal and marine environment that their life-style, culture and social life all centres around the sea.

AND WHEREAS, the fisherwomen are engaged in allied activities such as fresh fish marketing, dry fish and net mending. In addition to fisheries-related occupations along the coast, there are opportunities for employment in salt extraction, particularly in the western side of the Gulf near Tuticorin, and also in Palmyrah (toddy) tapping and agricultural labour. Skilled work is also undertaken, with mat weaving common in Ramanathapuram district. Moving inland from the coast toddy tapping and agriculture are the predominant occupations with small business-related opportunities prevalent near Rameswaram in connection with the tourism in this area.

NOW THEREFORE, in exercise of the power conferred by sub-section(1) and clauses (v) and (xiv) of sub-section (2) and sub-section (3) of section 3 of the Environment (Protection) Act 1986 (29 of 1986) read with sub-rule (3) of rule 5 of the Environment (Protection) Rules, 1986, the Central Government hereby notifies an area with an extent varying **from 0.73 kilometre to 5.57 kilometre** around the boundary of Gulf of Mannar Marine National Park in the State of Tamil Nadu as the Gulf of Mannar Marine National Park Eco-sensitive Zone (herein after referred to as the Eco-sensitive Zone) details of which are as under, namely:-

1. Extent and boundaries of Eco-sensitive Zone. - (1) The extent of Eco-sensitive Zone varies **from 0.73 kilometer to 5.57 kilometer** around the Gulf of Mannar Marine National Park. The area of the Eco-Sensitive Zone is **720.89 square kilometers**.

(2) The boundary description of the Eco Sensitive Zone is appended at **Annexure I**.

(3) The map of the Protected Area demarcating the Eco-sensitive Zone boundary is at **Annexure IIA-E**.

(4) List of geo co-ordinates of the boundary of the Protected Area and the Eco-Sensitive Zone is at **Annexure III (A) and (B)** respectively.

(5) The list of villages falling within the Eco-sensitive Zone along with their geo co-ordinates at prominent points is appended as **Annexure IV**.

2. Zonal Master Plan for the Eco-sensitive Zone. - (1) The State Government shall, for the purpose of effective management of the Eco-Sensitive Zone, prepare a Zonal Master Plan within a period of two years from the date of publication of Final Notification in the Official Gazette, in consultation with local people and adhering to the stipulations given in this Notification for approval of Competent Authority in the State Government.

(2) The Zonal Master Plan for the Eco-sensitive Zone shall be prepared by the State Government in such manner as is specified in this notification and also in consonance with the relevant Central and State laws and the guidelines issued by the Central Government, if any.

(3) The Zonal Master Plan shall be prepared in consultation with the following State Departments, for integrating environmental and ecological considerations into the said plan:

- (i) Environment;
- (ii) Forest and Wildlife;
- (iii) Agriculture;
- (iv) Revenue;
- (v) Urban Development;
- (vi) Tourism;
- (vii) Rural Development ;
- (viii) Irrigation and Flood Control;
- (ix) Municipal;
- (x) Panjayati Raj;
- (xi) Public Works Department;
- (xii) Highways;
- (xiii) Tamil Nadu State Pollution Control Board.

(4) The Zonal Master Plan shall not impose any restriction on the approved existing land use, infrastructure and activities, unless so specified in this notification and the Zonal Master Plan shall factor in improvement of all infrastructure and activities to be more efficient and eco-friendly.

(5) The Zonal Master Plan shall provide for restoration of denuded and degraded areas, conservation of existing water bodies, management of catchment areas, watershed management, groundwater management, soil and moisture conservation, needs of local community and such other aspects of the ecology and environment that need attention.

(6) The Zonal Master Plan shall demarcate all the existing worshipping places, villages and urban settlements, types and kinds of forests, agricultural areas, fertile lands, green area, such as, parks and like places, horticultural areas, orchards, lakes and other water bodies and also with supporting maps. The Plan shall be supported by Maps giving details of existing and proposed land use features.

(7) The Zonal Master Plan shall regulate development in Eco-sensitive Zone and adhere to prohibited, regulated activities listed in table and also ensure and promote eco-friendly development for livelihood security of local communities.

(8) The Zonal Master Plan shall be co-terminus with the Regional Development Plan.

(9) The Zonal Master Plan so approved shall be the reference document for the Monitoring Committee for carrying out its functions of monitoring in accordance with the provisions of this notification.

3. Measures to be taken by State Government.-The State Government shall take the following measures for giving effect to the provisions of this notification, namely:-

(1) Land use. –

- (a) Forests, horticulture areas, agricultural areas, parks and open spaces earmarked for recreational purposes in the Eco-sensitive Zone shall not be used or converted into areas for major commercial or major residential complex or industrial activities.
- (b) Provided that the conversion of agricultural and other lands, for the purpose other than that specified at part (a), within the Eco-sensitive Zone may be permitted on the recommendation of the Monitoring Committee, and with the prior approval of the competent authority under Regional Town Planning Act and other rules and regulations of Central/State Government as applicable and vide provisions of this Notification, to meet the residential needs of the local residents such as:
 - (i) Widening and strengthening of existing roads and construction of new roads;
 - (ii) Construction and renovation of infrastructure and civic amenities;
 - (iii) Small scale industries not causing pollution;
 - (iv) Cottage industries including village industries; convenience stores and local amenities supporting eco-tourism including home stay; and
 - (v) Promoted activities and given in paragraph 4;
- (c) Provided further that no use of tribal land shall be permitted for commercial and industrial development activities without the prior approval of the competent authority under Regional Town Planning Act and other rules and regulations of State Government and without compliance of the provisions of article 244 of the Constitution or the law for the time being in force, including the Scheduled Tribes and other Traditional Forest Dwellers (Recognition of Forest Rights) Act, 2006 (2 of 2007):
- (d) Provided also that any error appearing in the land records within the Eco-sensitive Zone shall be corrected by the State Government, after obtaining the views of Monitoring Committee, once in each case and the correction of said error shall be intimated to the Central Government in the Ministry of Environment, Forest and Climate Change:
- (e) Provided also that the above correction of error shall not include change of land use in any case except as provided under this sub-paragraph.
- (f) Efforts shall be made to reforest the unused or unproductive agricultural areas with afforestation and habitat restoration activities.

(2) **Natural water bodies.** - The catchment areas of all natural springs/rivers/channels shall be identified and plans for their conservation and rejuvenation shall be incorporated in the Zonal Master Plan and the guidelines shall be drawn up by the State Government in such a manner as to prohibit development activities at or near these areas which are detrimental to such areas.

(3) **Tourism/ Eco-tourism:-**

- (a) All new eco-tourism activities or expansion of existing tourism activities within the Eco-Sensitive Zone shall be as per the Tourism Master Plan for the Eco-sensitive Zone.
- (b) The Eco-Tourism Master Plan shall be prepared by Department of Tourism in consultation with State Departments of Environment and Forests.
- (c) The Tourism Master Plan shall form a component of the Zonal Master Plan.
- (d) The activities of eco-tourism shall be regulated as under, namely:-
 - (i) No new construction of hotels and resorts shall be allowed within 1 km from the boundary of the protected area or upto the extent of the ESZ whichever is nearer. However, beyond the distance of 1 km from the boundary of the protected area till the extent of the Eco-sensitive Zone, the establishment of new hotels and resorts shall be allowed only in pre-defined and designated areas for Eco-tourism facilities as per Tourism Master Plan.
 - (ii) all new tourism activities or expansion of existing tourism activities within the Eco-sensitive Zone shall be in accordance with the guidelines issued by the Central Government in the Ministry of Environment, Forest and Climate Change and the eco-tourism guidelines issued by National Tiger Conservation Authority (as amended from time to time) with emphasis on eco-tourism;
 - (iii) Until the Zonal Master Plan is approved, development for tourism and expansion of existing tourism activities shall be permitted by the concerned regulatory authorities based on the actual site specific scrutiny and recommendation of the Monitoring Committee and no new hotel /resort or commercial establishment construction is permitted within ESZ area.

(4) **Natural Heritage.-** All sites of valuable natural heritage in the Eco-sensitive Zone, such as the gene pool reserve areas, rock formations, waterfalls, springs, gorges, groves, caves, points, walks, rides, cliffs, etc. shall be identified and a heritage conservation plan shall be drawn up for their preservation and conservation as a part of the Zonal Master Plan.

(5) **Man-made heritage sites.-** Buildings, structures, artifacts, areas and precincts of historical, architectural, aesthetic and cultural significance shall be identified in the Eco-sensitive Zone and heritage conservation plan for their conservation shall be prepared as part Zonal Master Plan.

(6) **Noise pollution.** - The Environment Department of the State Government or Tamil Nadu State Pollution Control Board shall implement the regulations for control of noise pollution in the Eco-sensitive Zone in accordance with the provisions stipulated of The Noise Pollution (Regulation and Control) Rules, 2000 under the Environment (Protection) Act, 1986 and amendments thereto.

(7) **Air pollution.-** Prevention and control of air pollution in the Eco-sensitive Zone shall be complied with in accordance with the provisions of the Air (Prevention and Control of Pollution) Act, 1981 (14 of 1981) and rules made there under and amendments thereto.

(8) **Discharge of effluents.** - Discharge of treated effluent in Eco-sensitive Zone shall be in accordance with the provisions of the General Standards for Discharge of Environmental Pollutants covered under the Environmental (Protection) Act, 1986 and rules made there under or standards stipulated by State Government whichever is more stringent.

(9) **Solid wastes.** - Disposal and Management of solid wastes shall be as under:

(a) the solid waste disposal and management in Eco-sensitive Zone shall be carried out in accordance with the Solid Waste Management Rules, 2016 and published by the Government of India in the Ministry of Environment, Forests and Climate Change vide notification number S.O. 1357 (E), dated 8th April, 2016 as amended from time to time; the inorganic material may be disposed in an environmental acceptable manner at site identified outside the Eco-sensitive Zone;

(b) Safe and Environmentally Sound Management (ESM) of Solid wastes in conformity with the existing rules and regulations using identified technologies may be allowed within Eco-Sensitive Zone.

(10) **Bio-medical waste.** - Bio-medical waste management shall be as under:

(a) The bio-medical waste disposal in the Eco-sensitive Zone shall be carried out in accordance with the Bio-Medical Waste Management Rules, 2016 published by the Government of India in the Ministry of Environment, Forest and Climate Change vide Notification Number GSR 343 (E), dated the 28th March, 2016 as amended from time to time.

(b) Safe and Environmentally Sound Management (ESM) of Solid wastes in conformity with the existing rules and regulations using identified technologies may be allowed within Eco-Sensitive Zone.

(11) **Plastic Waste Management.**- The Plastic Waste Management in the Eco-sensitive Zone shall be carried out as per the provisions of the Plastic Waste Management Rules, 2016 published by the Government of India in the Ministry of Environment, Forest and Climate Change vide notification number G.S.R. 340(E), dated the 18th March, 2016, as amended from time to time.

(12) **Construction and Demolition Waste Management.** - The Construction and Demolition Waste Management in the Eco-sensitive Zone shall be carried out as per the provisions of the Construction and Demolition Waste Management Rules, 2016 published by the Government of India in the Ministry of Environment, Forest and Climate Change vide notification number G.S.R. 317(E), dated the 29th March, 2016, as amended from time to time.

(13) **E-waste.** - The E- Waste Management in the Eco-sensitive Zone shall be carried out as per the provisions of the E-Waste Management Rules, 2016 published by the Government of India in the Ministry of Environment, Forest and Climate Change and as amended from time to time.

(14) **Vehicular traffic.** - The vehicular movement of traffic shall be regulated in a habitat friendly manner and specific provisions in this regard shall be incorporated in the Zonal Master Plan and till such time as the Zonal Master plan is prepared and approved by the Competent Authority in the State Government, the Monitoring Committee shall monitor compliance of vehicular movement under the relevant Acts and the rules and regulations made there under.

(15) **Vehicular Pollution.** - Prevention and control of Vehicular Pollution shall be complied with in accordance with applicable laws. Efforts to be made for use of cleaner fuel for example CNG, LPG, etc.

(16) **Industrial Units.**- (i) On or after the publication of this notification in the Official Gazette, no new polluting industries shall be allowed to be set up within the Eco-sensitive Zone.

(ii) Only non-polluting industries shall be allowed within ESZ as per classification of Industries in the Guidelines issued by Central Pollution Control Board in February 2016, unless so specified in this notification. In addition, non-polluting cottage industries shall be promoted.

(17) **Protection of Hill Slopes:** The protection of hill slopes shall be as under:

(a) The Zonal Master Plan shall indicate areas on hill slopes where no construction shall be permitted.

(b) No construction on existing steep hill slopes or slopes with a high degree of erosion shall be permitted.

(18) The Central Government and the State Government shall specify other additional measures, if it considers necessary, in giving effect to the provisions of this notification.

4. List of activities prohibited or to be regulated within the Eco-sensitive Zone:

All activities in the Eco sensitive Zone shall be governed by the provisions of the Environment (Protection) Act, 1986 (29 of 1986) and the rules made there under including the Coastal Regulation Zone (CRZ), 2011 and the Environmental Impact Assessment (EIA) Notification, 2006 and other applicable laws including the Forest (Conservation) Act, 1980 (69 of 1980), the Indian Forest Act, 1927 (16 of 1927) the Wildlife(Protection) Act 1972 (53 of 1972) and amendments made thereto and be regulated in the manner specified in the Table below, namely:-

TABLE

Sl. No.	Activity	Description
(1)	(2)	(3)
A. Prohibited Activities		
1.	Commercial Mining.	a) All new and existing (minor and major minerals) stone quarrying and crushing units are prohibited with immediate effect except for meeting the domestic needs of bona fide local residents including digging of earth for construction or repair of houses and for manufacture of country tiles or bricks for housing and for other activities. (b) The mining operations shall be carried out in accordance with the order of the Hon'ble Supreme Court dated 04.08.2006 in the matter of T.N. Godavarman Thirumalpad vs. UOI in W.P. (C) No. 202 of 1995 and dated 21.04.2014 in the matter of Goa Foundation z. UOI in W.P. (C) No. 435 of 2012.
2.	Setting of industries causing pollution (Water, Air, Soil, Noise, etc).	No new industries and expansion of existing polluting industries in the Eco-sensitive zone shall be permitted. Only non-polluting industries shall be allowed within ESZ as per classification of Industries in the guidelines issued by Central Pollution Control Board in February 2016, unless so specified in this notification. In addition, non-polluting cottage industries shall be promoted.
3.	Establishment of major hydroelectric project.	Prohibited (except as otherwise provided) as per applicable laws.
4.	Use or production or processing of any hazardous substances.	Prohibited (except as otherwise provided) as per applicable laws.
5.	Discharge of untreated effluents in natural water bodies or land area.	Prohibited (except as otherwise provided) as per applicable laws.
B. Regulated Activities		
6.	Commercial establishment of hotels and resorts.	No new commercial hotels and resorts shall be permitted within one kilometre of the boundary of the Protected Area or up to the extent of Eco-sensitive zone, whichever is nearer, except for small temporary structures for Eco-tourism activities. Provided that, beyond one kilometre from the boundary of the protected Area or up to the extent of Eco-sensitive zone whichever is nearer, all new tourist activities or expansion of existing activities shall be in conformity with the Tourism Master Plan and guidelines as applicable.
7.	Construction activities.	(a) No new commercial construction of any kind shall be permitted along the High Tide Line and 2 Km from the boundary of the Protected Area or upto extent of the Eco-sensitive Zone whichever is nearer: (b) Provided that, local people shall be permitted to undertake construction in their land for their use including the activities listed in sub paragraph (1) of paragraph 6 as per building byelaws to meet the residential needs of the local residents such as: (i) Widening and strengthening of existing roads and construction of new road. (ii) Construction and renovation of infrastructure and civic amenities; (iii) Small scale industries not causing pollution termed as per Classification done by Central Pollution Control Board of February 2016; (iv) Cottage industries including village industries; convenience stores and local amenities supporting eco-tourism including home stays; and

		(v) Promoted activities listed in this Notification. (c) Provided that the construction activity related to small scale industries not causing pollution shall be regulated and kept at the minimum, with the prior permission from the competent authority as per applicable rules and regulations if any.
8.	Small scale non polluting industries.	Non polluting industries as per classification of industries issued by the central Pollution Control Board in February 2016 and non-hazardous, small scale and service industry, agriculture, floriculture, horticulture or agro-based industry producing products from indigenous materials from the Eco-sensitive Zone shall be permitted by the competent authority.
9.	Erection of electrical and communication towers and laying of cables and other infrastructures.	Regulated under applicable laws. Underground cabling may be promoted.
10.	Undertaking other activities related to tourism like over flying the ESZ area by hot air balloon, helicopter, drones, Microlites, etc.	Regulated under applicable law.
11.	Ongoing agriculture and horticulture practices by local communities along with dairies, dairy farming, aquaculture and fisheries.	Permitted under applicable laws for use of locals.
12.	Introduction of Exotic species.	Regulated under applicable laws.
13.	Discharge of treated waste water/effluents in natural water bodies or land area.	The discharge of treated waste water/effluents shall be avoided to enter into the water bodies. Efforts to be made for recycle and reuse of treated waste water. Otherwise the discharge of treated waste water/effluent shall be regulated as per applicable laws.
14.	Commercial extraction of surface and ground water.	Regulated under applicable law.
15.	Solid Waste Management.	Regulated under applicable laws.
16.	Use of polythene bags.	Regulated under applicable laws.
17.	Eco-tourism.	Regulated under applicable laws.
18.	Commercial sign boards and hoardings.	Regulated under applicable laws.
19.	Desalination Plants.	Regulated under applicable laws.
20.	Port activities (Cargo handling/ maintenance dredging/ expansion).	Regulated under applicable laws.
21.	Fishing harbour.	Regulated under applicable laws.
22.	Aquaculture (Prawn culture).	Regulated under applicable laws.
23.	Salt Pans.	Regulated under applicable laws.
24.	Research establishments.	Regulated under applicable laws.
25.	Collection of seaweeds and other resources like reef fishes.	Regulated under applicable laws.

26.	Light Post Erection.	Regulated under applicable laws.
C. Promoted Activities		
27.	Rain water harvesting.	Shall be actively promoted.
28.	Organic farming.	Shall be actively promoted.
29.	Adoption of green technology for all activities.	Shall be actively promoted.
30.	Cottage industries including village artisans, etc .	Shall be actively promoted.
31.	Use of renewable energy and fuels.	Bio gas, solar light etc to be actively promoted.
32.	Use of eco-friendly transport.	Shall be actively promoted.
33.	Skill Development.	Shall be actively promoted.
34.	Restoration of Degraded Land/Forests/Habitats.	Shall be actively promoted.
35.	Environmental awareness.	Shall be actively promoted.
36.	Traditional Fishing Practices.	Shall be actively promoted.
37.	Movement of Vessels.	Shall be actively promoted.

5. Monitoring Committee .-

The Central Government hereby constitutes a Monitoring Committee, for effective monitoring of the provisions of this notification under sub-section (3) of section 3 of the Environment (Protection) Act, 1986 (29 of 1986), comprising of the following namely:-

1. The District Collector, Ramanathapuram Chairman;
2. A representative of Non-government Organisation working in the field of wildlife conservation to be nominated by State Government Member;
3. An expert in Biodiversity nominated by the State Government Member;
4. An expert in Ecology and Environment to be nominated by the State Government Member;
5. A representative from State Public Works Department Member;
6. A representative from State Pollution Control Board Member;
7. Wildlife Warden, Gulf of Mannar Marine National Park, Ramanathapuram Member Secretary.

6. Terms of Reference. –

- (1) The Monitoring Committee shall monitor the compliance of the provisions of this notification.
- (2) The tenure of the Monitoring committee shall be for three years or till the re-constitution of the new Committee by the State Government and subsequently the Monitoring Committee would be constituted by the State Government.
- (3) The activities that are covered in the Schedule to the notification of the Government of India in the erstwhile Ministry of Environment and Forests number S.O. 1533 (E), dated the 14th September, 2006, and are falling in the Eco-sensitive Zone, except for the prohibited activities as specified in the Table under paragraph 4 thereof, shall be scrutinized by the Monitoring Committee based on the actual site-specific conditions and referred to the Central Government in the Ministry of Environment, Forest and Climate Change for prior environmental clearances under the provisions of the said notification.
- (4) The activities that are not covered in the Schedule to the notification of the Government of India in the erstwhile Ministry of Environment, Forest and Climate Change number S.O. 1533 (E), dated the 14th September, 2006 and are falling in the Eco-sensitive Zone, except for the prohibited activities as

specified in the Table under paragraph 4 thereof, shall be scrutinized by the Monitoring Committee based on the actual site-specific conditions and referred to the concerned regulatory authorities.

- (5) The Member Secretary of the Monitoring Committee or the concerned Deputy Commissioner(s) shall be competent to file complaints under section 19 of the Environment (Protection) Act, 1986 against any person who contravenes the provisions of this notification.
- (6) The Monitoring Committee may invite representatives or experts from concerned Departments, representatives from industry associations or concerned stakeholders to assist in its deliberations depending on the requirements on issue to issue basis.
- (7) The Monitoring Committee shall submit the annual action taken report of its activities as on the 31st March of every year by the 30th June of that year to the Chief Wildlife Warden in the State as per Performa given in **Annexure V**.
- (8) The Central Government in the Ministry of Environment, Forest and Climate Change may give such directions, as it deems fit, to the Monitoring Committee for effective discharge of its functions.
7. The Central Government and State Government may specify additional measures, if any, for giving effect to provisions of this notification.

8. The provisions of this notification are subject to the orders, if any passed or to be passed by the Hon'ble Supreme Court of India or the High Court or National Green Tribunal.

[F. No. 25/19/2018-ESZ]

LALIT KAPUR, Scientist 'G'

ANNEXURE-I

BOUNDARY DESCRIPTION OF ECO-SENSITIVE ZONE OF THE PROTECTED AREA

Boundary description for Eco sensitive zone of Gulf of Mannar Marine National Park is as described for individual Island Groups as below;

Tuticorin Group:

North	The boundary of the Eco-Sensitive Zone starts at a distance of around 2.90 Km from the northern boundary National Park boundary on a point on HTL north of Keelavaippar Village.
North East	At a distance of 2.0 Km. from the northern boundary (north east of Karaichalli Island) National Park boundary
East	The boundary runs at distance of 2.0 Km in south eastern direction from the boundary of National Park. Then proceeds in south western direction at a distance of 2.0 km. from the eastern boundary of the National Park near east of Vilanguchalli Island.
South East	At a distance of 2.0 Km. from the South eastern tip of the National Park boundary which is south east of Vaan Island.
South	At a distance of 2.0 Km south of Vaan Island.
South West	At a distance of 4.16 Km in south eastern direction from the south western tip of the boundary of National Park Southwest of Vaan Island on a point on HTL near the Old Harbour, Tuticorin
West	The boundary proceeds north wards along the HTL from the point near Old Harbour till it touches the point on HTL north of Keelavaippar village.
North West	The boundary travels along the HTL till it touches the point on HTL north of Keelavaippar village.

Vembar Island Group:

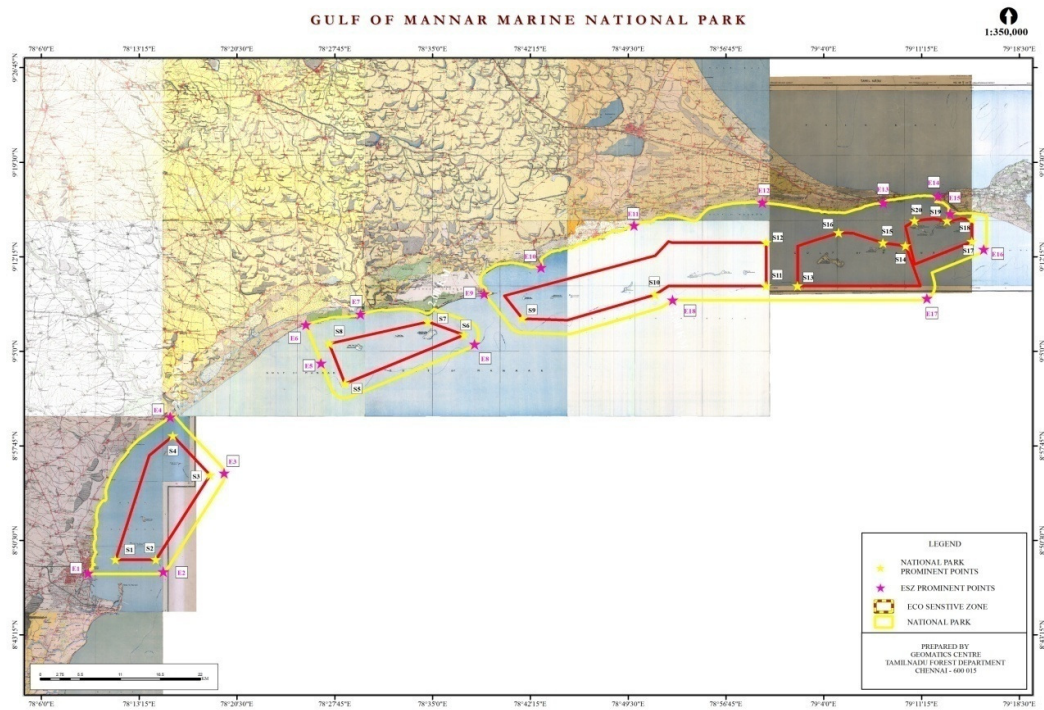
North	The boundary of the Eco-Sensitive Zone starts at a distance of around 3.10 Km from the northern boundary National Park boundary north of Uppu tanni Island near Mookaiyur. Thence the boundary proceeds eastwards along the High Tide Line.
North East	At a point on High Tide Line east of Periakulam village sea shore at a distance of around 2.0 Km from the northern boundary of the National Park north of Nallatanni Island.
East	Thence the boundary runs at distance of 2.0 Km in south eastern direction from the boundary of National Park.
South East	At a distance of 2.0 Km. from the South eastern tip of the National Park boundary which is south east of Nallatanni Island.
South	At a distance of 2.0 Km south of southern boundary of the National Park south of Nallatanni. Thence the boundary proceeds at distance of 2.0 Km westwards.
South West	At a distance of 2.0 Km in south eastern direction from the south western tip of the boundary of National Park Southwest of Upputanni Island.
West	The boundary proceeds north wards along at a distance of 2.0 Km. from the boundary of the National Park till it touches a point on HTL.
North West	The boundary starts at a point on HTL east of Naripaiyyur village at a distance of 4.0 Km. from the north western boundary of the National Park, north west of Upputanni Island.

Keelakarai and Mandapam Island Groups:

North	The boundary of the Eco-Sensitive Zone starts at a distance of around 2.50 Km from the northern boundary National Park boundary north of Anaipar Island on a point on HTL south of Chinna Erwadi Village. Thence the boundary proceeds eastwards along the High Tide Line till it touches a point east of Kundugal village in Rameshwaram.
North East	At a distance of 2.0 Km. from the northern eastern boundary on the north east of Shingle Island of National Park boundary.
East	The boundary runs at distance of 2.0 Km in southward direction from the boundary of National Park.
South East	At a distance of 2.0 Km. from the South eastern tip of the National Park boundary which is south east of Shingle Island.
South	At a distance of 2.0 Km south of boundary of the National Park of Mandapam and Keelakarai Group of Island.
South West	At a distance of 2.0 Km in south western direction from the south western tip of the boundary of National Park, Southwest of Anaipar Island.
West	The boundary proceeds north wards at a distance of 2.0 Km from the boundary of National Park on the west of Anaipar island till it touches a point on High Tide Line near Valinokkam village.
North West	The boundary starts at a point on the Northwestern point on the HTL northwest of Anaipar Island south of Valinokkam village. Thence the boundary proceeds eastwards along the HTL.

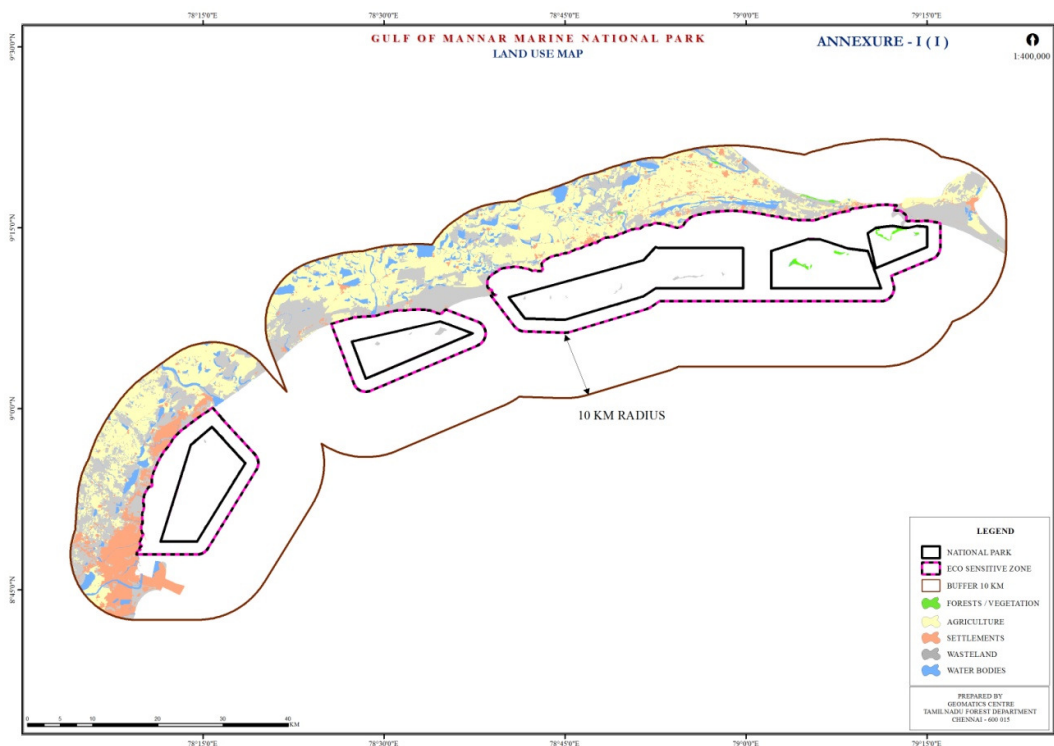
ANNEXURE- IIC

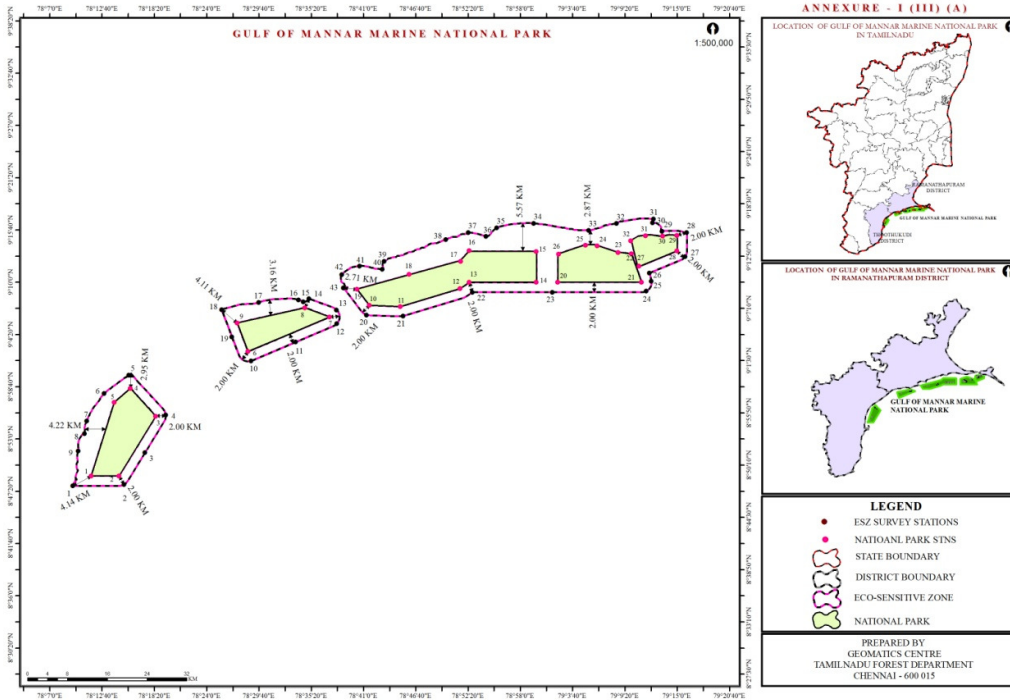
MAP OF ECO-SENSITIVE ZONE OF GULF OF MANNAR MARINE NATIONAL PARK ON SURVEY OF INDIA (SOI) TOPOSHEET



ANNEXURE- IID

LANDUSE MAP OF ECO-SENSITIVE ZONE OF GULF OF MANNAR MARINE NATIONAL PARK ALONG WITH 10 KM BUFFER



ANNEXURE- III**MAP OF ECO-SENSITIVE ZONE OF GULF OF MANNAR MARINE NATIONAL PARK
ALONG WITH LATITUDE AND LONGITUDE OF PROMINENT LOCATIONS****ANNEXURE-III****TABLE A: Latitude-Longitude of Prominent Locations of Gulf of Mannar Marine National Park,
Tamil Nadu**

S. No.	Identification of prominent points	Location / Direction of Prominent Point	Latitude (N) DMS format	Longitude (E) DMS format
1.	36	Shingle (North)	9°14'35"	79°10'5"
2.	31	Kurusadai (North)	9°15'00"	79°13'25"
3.	32 (S19)	North of Kurusadai Island (North)	9°15'00"	79°13'10"
4.	33	Kurusadai (North)	9°15'10"	79°12'10"
5.	34	Kurusadai (North)	9°15'7"	79°11'35"
6.	35 (S20)	North of Poomarichan Island (North)	9°15'00"	79°10'45"
7.	29 (S18)	Northeast of Shingle Island (North)	9°15'5"	79°15'00"
8.	30	Pullivasal (North)	9°15'10"	79°14'10"
9.	27	Poomarichan (South West)	9°11'40"	79°10'45"
10.	28 (S17)	Southeast of Shingle Island (South East)	9°13'25"	79°15'00"
11.	24	Manoliputti (North)	9°14'3"	79°6'10"
12.	25 (S16)	North of Moyal Island (North)	9°14'5"	79°5'7"E
13.	26	Manoliputti (North)	9°13'5"	79°2'5"
14.	22 (S14)	East of Manoli Island (North)	9°13'5"	79°10'5"E

15.	23 (S15)	North of Manoli Island (North)	9°13'18"	79°8'25"
16.	20 (S13)	Southwest of Muyal (Hare) Island (South West)	9°10'00"	79°2'5"E
17.	21	Hare (South East)	9°10'00"	79°11'10"E
18.	17	Mulli (North)	9°13'25"	78°52'30"E
19.	18	Mulli (North)	9°12'20"	78°51'30"E
20.	19	Mulli (North West)	9°9'15"	78°40'20"E
21.	16	Vaalai (North)	9°13'20"N	78°52'45"E
22.	15 (S12)	Northeast of Mulli Island (North East)	9°13'20"N	78°59'45"E
23.	13	Poovarasampatti (South)	9°10'00"N	78°52'30"E
24.	14 (S11)	Southeast of Mulli Island (South East)	9°10'00"N	78°59'45"E
25.	12 (S10)	Southeast of Appa Island (South)	9°9'20"N	78°51'30"E
26.	11	Valimunai (South West)	9°7'23"N	78°45'00"E
27.	10 (S9)	South of Anaipar Island (West)	9°7'30"N	78°41'40"E
28.	8 (S7)	North of Nallatanni Island (North East)	9°7'15"N	78°34'40"E
29.	9 (S8)	Northwest of Upputanni Island (North West)	9°5'35"N	78°27'20"E
30.	7 (S6)	Southeast of Nallatanni Island (South East)	9°6'15"N	78°37'20"E
31.	6 (S5)	Southwest of Upputanni Island (South West)	9°2'30"N	78°28'30"E
32.	4 (S4)	North of Karaichalli Island (North)	8°58'30N	78°15'45"E
33.	5	Vilanguchalli (West)	8°57'N	78°14'E
34.	3 (S3)	East of Karaichalli Island (East)	8°55'30"N	78°18'30"E
35.	2 (S2)	Southeast of Vaan Island (South East)	8°49'N	78°14'30"E
36.	1 (S1)	South of Vaan Island (South West)	8°49'N	78°11'30"E

TABLE B: Latitude-Longitude of Prominent Locations of Eco-Sensitive Zone

S. No.	Identification of prominent points	Location / Direction of Prominent Point	Latitude (N) DMS format	Longitude (E) DMS format
1	1 (E1)	NW Northwestern tip of Vannigudi Kanmoi	78°46'39.0216"	9°20'44.0628"
2	2	N	78°47'48.6096"	9°21'1.0476"
3	3	N	78°48'58.77"	9°21'17.802"
4	4 (E2)	N Southern tip of Vannan Oorani	78°49'44.4468"	9°21'28.6848"
5	5	N	78°50'0.7584"	9°21'22.878"
6	6	N	78°50'18.9744"	9°21'16.506"
7	7 (E3)	NE	78°50'37.6044"	9°21'10.098"

		North of Sakkarakottai Kanmoi on Ramnad- Keelakarai Road		
8	8	E	78°50'35.4192"	9°20'46.8816"
9	9	E	78°50'31.4052"	9°20'28.3344"
10	10 (E4)	E South Eastern boundary of Sakkarakottai Tank along the Ramnad - Keelakarai Road	78°50'23.0568"	9°20'7.1556"
11	11	E	78°50'14.6832"	9°20'4.4772"
12	12	E	78°50'7.0764"	9°19'54.0984"
13	13	SE	78°49'58.9872"	9°19'31.53"
14	14 (E5)	SE Intersection point of Palkarai approach road on Ramnad - Keelakarai Road	78°49'53.454"	9°19'14.7072"
15	15	S	78°49'23.4444"	9°19'17.6484"
16	16	S	78°48'45.4968"	9°19'22.4328"
17	17 (E6)	S Palkarai Village Road	78°48'20.2176"	9°19'20.658"
18	18	S	78°47'43.9584"	9°19'32.2464"
19	19 (E7)	SW Vittanoor North Kanmoi Bund	78°47'19.5684"	9°19'41.8512"
20	20	SW	78°46'48.396"	9°19'55.6104"
21	21 (E8)	W Vannigudi Kanmoi western bund	78°46'24.564"	9°20'6.5616"
22	22	W	78°46'20.1072"	9°20'12.6348"

ANNEXURE-IV**LIST OF VILLAGE AREA COMING UNDER ECO-SENSITIVE ZONE OF GULF OF MANNAR
MARINE NATIONAL PARK ALONG WITH GEO-COORDINATES**

Sl. No	Village Name	Type of Village	Tehsil/ Taluk	District	Latitude (N) DMS format	Longitude (E) DMS format
Nil						

Annexure –V**Performa of Action Taken Report: - Eco-sensitive Zone Monitoring Committee.-**

1. Number and date of Meetings
2. Minutes of the meetings: Mention main noteworthy points. Attach Minutes of the meeting as separate Annexure.
3. Status of preparation of Zonal Master Plan including Tourism Master Plan
4. Summary of cases dealt for rectification of error apparent on face of land record (Eco-sensitive Zone wise). Details may be attached as Annexure.
5. Summary of cases scrutinised for activities covered under the Environment Impact Assessment Notification, 2006. Details may be attached as separate Annexure.
6. Summary of cases scrutinised for activities not covered under the Environment Impact Assessment Notification, 2006.
Details may be attached as separate Annexure.
7. Summary of complaints lodged under section 19 of the Environment (Protection) Act, 1986.
8. Any other matter of importance.